Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ●Monday, 08 December 2025 ●Year : 04 ●Issue : 320 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मित्र बनना सरल है, मैत्री का पालन करना दुष्कर है। चित्तों की अस्थिरता के कारण अल्प मतभेद होने पर भी मित्रता टूट जाती है।

-वाल्मीकि

Palak Sindhwani's Birthday Tribute To Her 'Shield &...

SARAFA

सोना	:	12,080.00
चांदी	:	199.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा का रविवार को अचानक निधन हो गया। करीब 58 वर्षीय सिन्हा अपने आवास पर थे, तभी नाक से लगातार खून बहने से उनकी तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई। परिजन उन्हें आनन-फानन में टाटा मुख्य अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन से टाटा स्टील प्रबंधन, कॉरपोरेट जगत व जिला प्रशासन सहित पूरे शहर में शोक की लहर फैल गई है। हाल ही में वे एक महीने के इलाज के बाद काम पर लौटे थे। उनके अचानक चले जाने से सभी स्तब्ध हैं। मिलनसार और मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी ऋतुराज सिन्हा को उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के कारण टाटा स्टील सहित कई कंपनियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं।

प्रधानमंत्री मोदी आज लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर शुरू करेंगे चर्चा

NEW DELHI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में चर्चा की शुरूआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था।

जमशेदपुर में 'जीवाणु संक्रमण' के कारण 10 काले हिरणों की मौत

□ जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीमारी की हो सकेगी पुष्टि

सही कारण का पता लगाने के लिए रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजे गए शव

RANCHI @ PTI : जमशेदपुर स्थित एक चिड़ियाघर में जीवाणु संक्रमण के कारण कम से कम 10 काले हिरणों की मौत हो गई है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टीएसजेडपी) में हिरणों की मौत एक से छह दिसंबर के बीच हुई। आखिरी हिरण की मौत शनिवार को हुई थी। टीएसजेडपी के उप निदेशक डॉ. नईम अख्तर ने बताया कि उद्यान में अब तक 10 काले हिरणों की मौत हो चुकी है। हिरण के शव को जांच और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजा गया है। ऐसा लगता है कि यह जीवाणु संक्रमण के कारण हुआ है।

टाटा जू में अब बचे हैं सिर्फ आठ काले हिरण

टीएसजेडपी में पक्षियों सहित लगभग 370 जानवर हैं। वहां 18 काले हिरण थे। अधिकारी ने बताया कि 10 काले हिरणों की मौतों के बाद चिड़ियाघर में केवल आठ काले हिरण ही बचे हैं। अख्तर ने बताया कि पहली मौत एक दिसंबर को हुई थी। उन्होंने बताया कि बाद में मौत का कारण जानने के लिए नमूना रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजा गया।

तेज बुखार और गर्दन में सूजन

जमशेदपुर प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) सबा आलम ने कहा, चिड़ियाघर प्राधिकरण के अनुरोध पर हमने नमूना रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजने में मदद की। हमने केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को मौतों के बारे में सूचित कर दिया है। रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमके गुप्ता ने बताया कि पास्चरेला एक जीवाणु जनित रोग है, जो शरीर में बहुत तेजी से फैलता है और फेफड़ों को प्रभावित करता है, जिससे अचानक मृत्यु हो जाती है। उन्होंने कहा कि तेज बुखार, गर्दन में सूजन और दस्त इस बीमारी के कुछ सामान्य लक्षण हैं।

बीमारी रोकने के लिए उठाए गए एहतियाती कदम

अख्तर ने कहा कि उन्होंने संदिग्ध बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए व्यापक एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा,जीवाणुरोधी उपचार जारी है और स्थिति अब नियंत्रण में है। इस बीच रांची के ओरमांझी इलाके में स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान ने जमशेदपुर की घटना के बाद अलर्ट जारी कर दिया है। उद्यान को बिरसा चिड़ियाघर के नाम से भी जाना जाता है। बिरसा चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक ओपी साहू ने बताया कि चिड़ियाघर में 69 काले हिरण हैं। इसलिए, हमने पहले ही एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं का छिड़काव करके एहतियाती कदम उठा लिए हैं।

पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञा लकड़ा ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। संदेह है कि यह एचएस (रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया) है, जो पास्चरेला प्रजाति के बैक्टीरिया से होने वाला एक जीवाणुजनित रोग है। इस रोग को पास्चरेलोसिस भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे की जांच सोमवार को की जाएगी। आगे की प्रक्रिया पूरी करने के बाद हम बीमारी की पुष्टि कर सकते हैं।

पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' में हुआ हादसा, 6 लोग हुए जख्मी

गोवा के नाइट क्लब में भीषण आग की चपेट में आकर 25 लोगों की गई जान

झारखंड के तीन युवकों की मौत, सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक

- दम घुटने से अधिकतर लोगों की हुई मौत, सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन का संदेह
- पुलिस ने बताया कि मृतकों में चार पर्यटक और 14 कर्मचारी, 7 की नहीं हुई पहचान
- एक ग्राम अधिकारी ने दावा किया कि अनाधिकृत था निर्माण
- क्लब को ढहाए जाने के नोटिस पर एक उच्च प्राधिकारी ने लगा दी थी रोक
- मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच का दिया आदेश, दोषियों पर होगी कार्रवाई
- प्रत्यक्षदर्शियों ने किया दावा- क्लब में डांस के दौरान फोड़े गए थे पटाखे

PANAJI @ PTI : उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार की आधी रात के बाद भीषण आग लग जाने से 25 लोगों की जान चली गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लोग पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के भूतल पर फंस गए थे, जिसके कारण अधिकतर लोगों की मौत दम घुटने से हुई। प्रारंभ में यह कहा गया था की गैस सिलेंडर फटने से आग लगी है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया है कि क्लब में डांस के दौरान पटाखे फोड़े गए थे। एक ग्राम अधिकारी ने दावा किया कि निर्माण अनधिकृत था, लेकिन क्लब को ढहाए जाने के नोटिस पर एक उच्च प्राधिकारी ने रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया है, जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के बावजूद इसे संचालित करने की अनुमति दी थी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं जबकि बाकी सात की पहचान अभी नहीं हो पाई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत होने पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नाइट क्लब में आग लगने की घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से बात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, गोवा के अरपोरा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे।

RANCHI : गोवा में हुए भीषण हदासे की चपेट में आकर मरने वालों में झारखंड के तीन युवक भी शामिल हैं। ये युवक नाइट क्लब में नौकरी करते थे। रविवार सुबह जैसे ही यह खबर रांची और खूंटी के गांवों तक पहुंची, कोहराम मच गया। मरने वालों में दो सगे भाई थे। जानकारी के अनुसार, मृतकों में रांची जिले के लापुंग थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर गांव के दो सगे भाई प्रदीप महतो (24) और विनोद महतो (22) शामिल हैं। वहीं, तीसरा युवक खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के गोविंदपुर गांव निवासी मोहित मुंडा (22) था। तीनों युवक रोजगार की तलाश में गोवा गए थे और अरपोरा स्थित इसी नाइट क्लब में काम कर रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद गोवा में कार्यरत झारखंड के अन्य युवक अस्पताल पहुंचे और मृतकों की पहचान में प्रशासन की मदद की। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी औपचारिकताओं के बाद शवों को झारखंड भेजे जाने की तैयारी की जा रही है। स्थानीयों के अनुसार, झारखंड के कई युवक रोजगार के सिलसिले में गोवा गए हुए हैं। इस घटना के बाद सभी दहशत के माहौल में हैं और लगातार अपने परिवारों से संपर्क कर हालात की जानकारी दे रहे हैं। गोवा में नाइट क्लब में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत पर सीएम हेमंत सोरेन ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि गोवा के नाइटक्लब में देर रात भीषण आग से कई लोगों के मरने की खबर अत्यंत दुखदायी है। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की घड़ी सहन करने की शक्ति दें। दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

पहली मंजिल पर लगी आग बाहर नहीं निकल सके लोग

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण ग्राहक बाहर नहीं जा सके। मुख्यमंत्री सावंत ने कहा, कुछ लोग भूतल पर भाग गए और वहीं फंस गए। सावंत ने कहा, हम क्लब प्रबंधन और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन होने के बावजूद इसे संचालित करने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि नाइट क्लब के मालिक एवं महाप्रबंधक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। सावंत ने कहा, तटीय राज्य में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना ऐसे समय में हुई है जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं।

प्रदेश के सभी जिलों के रूफटॉप बार-रेस्टोरेंट की होगी जांच : इरफान

RANCHI : गोवा की घटना के बाद झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी एक्शन मोड में हैं। उन्होंने रविवार को सभी जिलों के डीसी को एक आदेश जारी किया है। इसके तहत राज्य में संचालित सभी रूफटॉप बार, रेस्टोरेंट और होटलों के सुरक्षा मानकों की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। वहीं एक सप्ताह के अंदर ऐसे सभी स्थलों की फायर सेफ्टी, संरचनात्मक मजबूती और खाद्य सुरक्षा की विस्तृत जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया है। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन सरकार जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने होटल-रेस्टोरेंट संचालकों को निर्देशित किया कि किचन की नियमित साफ-सफाई, गैस पाइपलाइन और चिमनी सिस्टम की तकनीकी जांच कराएं। फायर सेफ्टी उपकरण और इमरजेंसी एग्जिट की 100% कार्यशीलता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। गोवा में हुई घटना में झारखंड के तीन युवकों की मौत पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अलर्ट मोड पर है।

इंडिगो की अव्यवस्था पर सरकार सख्त मंत्री ने प्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार

AGENCY NEW DELHI : देश में पिछले कुछ दिनों से विमानन क्षेत्र में उत्पन्न अव्यवस्था पर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर किसन मोहोल ने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर इंडिगो एयरलाइन के प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्री मोहोल ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से मंजूर किए गए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) नियमों को लागू करने में इंडिगो ने लापरवाही बरती, जिसके कारण संचालन प्रभावित हुआ और यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

अदालत के निर्देश के बाद एफडीटीएल में 10 घंटे की ड्यूटी अवधि को घटाकर 8 घंटे करने का आदेश दिया गया था। मंत्री ने बताया कि मंत्रालय ने एयरलाइंस को इसे दो चरणों, 01 जुलाई 2025 और 01 नवंबर 2025 में लागू करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इंडिगो ने इसे गंभीरता से नहीं माना।

विनय चौबे की पत्नी से एसीबी ने की पूछताछ

□ आय से अधिक संपत्ति मामले में स्वप्ना संचिता से दूसरी बार पूछे गए कई सवाल

PHOTON NEWS RANCHI : आय से अधिक संपत्ति के मामले में निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे और उनके परिजनों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रविवार की सुबह एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता से रांची के कांके रोड स्थित आवास पर गहन पूछताछ की एसीबी के डीआईजी, एसपी और अन्य अधिकारी इस पूछताछ में मौजूद थे। यह दूसरी बार है, जब एसीबी ने स्वप्ना संचिता से घर पर जाकर पूछताछ की है। इससे पहले तीन दिसंबर को भी टीम ने उनसे कई वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों को लेकर सवाल किए थे। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को एसीबी ने आईएएस विनय चौबे के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की थी। इसमें चौबे समेत सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इनमें उनकी पत्नी स्वप्ना संचिता, करीबी मित्र विनय सिंह और उनके साले शिपिज त्रिवेदी, शिपिज की पत्नी प्रियंका त्रिवेदी और चौबे के ससुर एसएन त्रिवेदी शामिल हैं।

विनय सिंह की पत्नी की तलाश में लखीसराय में रेड

RANCHI : झारखंड में शराब और जमीन घोटाले के आरोपी नेक्सजेन ऑटोमोबाइल के मालिक विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह की तलाश में झारखंड एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रविवार की सुबह बिहार के लखीसराय जिले के नयासराय स्थित उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। झारखंड एसीबी की तीन गाड़ियों का काफिला रविवार सुबह नयासराय पहुंचा, जहां टीम स्निग्धा सिंह से संबंधित जानकारियों के आधार पर उनकी तलाश में जुटी हुई है। गौरतलब है कि नेक्सजेन ऑटोमोबाइल के संचालक विनय कुमार सिंह वर्तमान में हजारीबाग जेल में बंद हैं। उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह को एसीबी ने शराब घोटाले और वन भूमि घोटाले से जुड़े मामलों में पूछताछ के लिए कई बार नोटिस भेजा है, लेकिन वह एसीबी के समक्ष उपस्थित नहीं हुई हैं।

सेना के लिए खोली गई 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनी टनल

NEW DELHI : रविवार को पूर्वी लद्दाख में 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनाई गई श्योक टनल सेना के लिए खोल दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया, जिसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेपसांग-डीबीओ सेक्टर तक भारतीय सेना की पहुंच अब ज्यादा तेज, सुरक्षित और सुगम हो जाएगी। भारी बर्फबारी में भी सैनिक, हथियार व लॉजिस्टिक मूवमेंट की गति कई गुना बढ़ेगी। इससे संवेदनशील एलएसी क्षेत्रों में परिचालन तत्परता और मजबूत होगी। पूर्वी लद्दाख में श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई श्?योक टनल रणनीतिक सुरंग है, जो दर्बुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड को हर मौसम में जोड़ने के लिए बनाई गई है।

- रक्षा मंत्री ने श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई रणनीतिक सुरंग का किया उद्घाटन
- पूर्वी लद्दाख के डेपसांग-डीबीओ सेक्टर तक आर्मी की पहुंच होगी सुरक्षित और सुगम
- लॉजिस्टिक मूवमेंट बढ़ने से संवेदनशील एलएसी क्षेत्रों में परिचालन तत्परता होगी मजबूत

झारखंड में एक बार फिर भाजपा का राग बांग्लादेशी

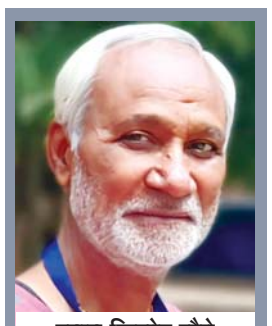

श्याम किशोर चौबे

भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा 6 दिसंबर को बाबानगरी देवघर पधारे। वहां उन्होंने 11 साल के अंदर देश में बने भाजपा के 617वें भव्य कार्यालय का उद्घाटन किया। खुशी की बात है कि अन्य दलों के सापेक्ष उनकी पार्टी अपना घर भी बनाने-संवारने पर ध्यान दे रही है। खुशी की बात यह भी है कि वे पिछले छह साल से पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। वे पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र को मजबूती प्रदान कर रहे हैं, इसलिए उनका पद पर बने रहना जरूरी है। वे भाजपा के हैं, भाजपा उनकी है, हमारा क्या! बड़ी बात यह कि देवघर में नड्डा जी ने साल भर पहले झारखंड में गाया गया राग बांग्लादेशी एक बार फिर गाकर याद दिला दिया कि इस राज्य में बांग्लादेशियों की भरमार है। इतना ही नहीं, जैसा कि उन्होंने कहा, बांग्लादेशी घुसपैठ कराकर उनके दल के परम विरोधी झामुमो के हेमंत सोरेन राज कर रहे हैं और ऐसे ही राज करना चाहते हैं। इस मसले पर उन्होंने संतालपरगना का खास जिक्र किया कि वह इलाका बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण अपनी सांस्कृतिक संरचना खोता जा रहा है। अपनी इस बोली-बानी से उन्होंने एक तरह से हेमंत सोरेन की बड़ाई ही की। हेमंत इतने मजबूत हैं कि घुसपैठ को प्रोत्साहन दे रहे हैं, जबकि भाजपा का परम प्रतापी केंद्रीय शासन सीमाओं पर घुसपैठ रोक नहीं पा रहा है। लगातार 11 साल से देश को संभाल रही यह पार्टी सीमाओं पर, वह भी बांग्लादेश जैसे पिद्दी देश के लोगों की घुसपैठ नहीं रोक पा रही है। घुसपैठिए बांग्लादेश से चलकर वाया पश्चिम बंगाल यदि झारखंड में आ रहे हैं तो कमजोरी किसकी है, यह समझना मुश्किल नहीं है कतई।

जब बात चली है तो यह सोचना भी जरूरी है कि 25 साल के झारखंड में सात जन मुख्यमंत्री हुए। उनमें से पांच भाजपा के पाले में हैं। हेमंत राज छह साल से चल रहा है, उसके पहले पांच साल तक भाजपा का निछूना राज रहा। और उसके भी पहले काफी अरसा तक भाजपा छठे-छमासे वाली सरकारें चलाती रही। इसके बावजूद इस राज्य में यदि घुसपैठ होती रही है तो थोड़ी जवाबदेही उस दल को भी तो लेनी ही चाहिए। डेढ़ साल पहले लोकसभा चुनाव के समय और साल भर पहले विधानसभा चुनाव के समय भी भाजपा ने राग बांग्लादेशी जोर-शोर से अलापा था लेकिन परिणाम में सभी पांच आदिवासी लोकसभा सीटें और 28 में से 27 आदिवासी विधानसभा सीटें वह गवां बैठी। राज्य की शासन-व्यवस्था पर प्रतिपक्षी दल के सदर की हैसियत से भाजपा प्रमुख द्वारा की गई टीका-टिप्पणी सोहाग-भाग ही है। लेकिन ऐसा नहीं है कि राज्य में सारा 'चंगइ हय'। शिक्षा व्यवस्था कराह रही है। नौकरियां नहीं हैं और शिक्षकों का घोर अभाव है। खासकर विश्वविद्यालय, जिसके चांसलर गवर्नर महोदय होते हैं, भगवान भरोसे ही चल रहे हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटी शिक्षकों की कौन कहे, कई जगह तो वीसी, प्रो वीसी, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक तक तदर्थ रूप से काम कर रहे हैं।

शेष पेज 02 पर पढ़ें...

औद्योगिक गति विकास को रफ्तार देने में इस्पात के कबाड़ की भूमिका अहम

स्टील स्क्रैप की डिमांड के सफर को बड़े आयात की दरकार

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : स्टील स्क्रैप यानी कबाड़ स्टील वह सामग्री है, जो स्टील के उत्पादन या उपयोग के बाद बच जाती है। इसे पिघलाकर दोबारा नया स्टील बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह एक मूल्यवान कच्चा माल है, जो प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता कम करता है, कार्बन उत्सर्जन घटाता है, और इसे आसानी से री-साइकल यानी पुनर्चक्रित किया जा सकता है, क्योंकि यह चुंबकीय गुणों वाला होता है। औद्योगिक गति को रफ्तार देकर स्टील स्क्रैप देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। वर्तमान में इसकी डिमांड लगातार बढ़ रही है। मांग की पूर्ति के लिए इसके सफर को बड़े आयात की दरकार बनी हुई है। इसमें माइल्ड स्टील, स्टेनलेस स्टील और टूल स्टील शामिल हैं, जिनकी बाजार में अलग-अलग कीमतें होती हैं। मुंबई में हाल में हुए एक सम्मेलन में विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी कि स्टील एक ऐसी धातु है, जिसकी मजबूती या गुणवत्ता खोए बिना अनगिनत बार इसको री-साइकल किया जा सकता है। इस वजह से औद्योगिक विकास के लिए इसे मील का पत्थर माना जा सकता है। स्टील स्क्रैप का इस्तेमाल देश की ग्रीन इस्पात योजनाओं के लिए प्रमुख इनपुट के रूप में हो रहा है। ग्रीन इस्पात योजना भारत सरकार और उद्योग द्वारा इस्पात (फौलाद) उत्पादन को पर्यावरण अनुकूल बनाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ने के लिए एक पहल है।

भारत में सालाना तकरीबन 420 लाख टन स्क्रैप की खपत, बड़ी मात्रा में होता है इंपोर्ट

- ग्रीन इस्पात योजनाओं के लिए प्रमुख इनपुट के रूप में बड़े पैमाने पर हो रहा इस्तेमाल
- मजबूती या गुणवत्ता खोए बिना अनगिनत बार री-साइकल किया जा सकता है स्टील
- विशेषज्ञों के अनुसार, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के लिए मील का पत्थर बन सकता है फौलाद
- प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता कम कर कार्बन उत्सर्जन को घटाता है इस्पात

■ सार्वजनिक खरीद को लेकर ग्रीन स्टील को प्राथमिकता दे रही केंद्र सरकार

मांग में सालाना 6% से अधिक की वृद्धि

मुंबई के सम्मेलन में विशेषज्ञों ने यह बताया कि भारत में सालाना लगभग 420 लाख टन स्क्रैप की खपत होती है और मांग में साल दर साल 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो रही है। इसके लिए भारत हर साल लगभग 90 लाख टन स्क्रैप का आयात करता है। इस मांग को पूरा करना एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि भारत में घरेलू स्क्रैप बाजार विविधापूर्ण होने के बावजूद काफी हद तक असंगठित है।

कबाड़ उद्योग के सामने कई चुनौतियां

सम्मेलन में यह स्पष्ट किया गया कि स्टील स्क्रैप को विकास का साधान बनाने में कई चुनौतियां है। इसमें वाहन में लगे स्टील का स्क्रैप चोरी होने से इसकी खरीदारी की दक्षता कम हो जाती है। कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव का भी प्रभाव पड़ता है। कई छोटे आपूर्तिकताओं को कार्यशील पूंजी की कमी का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी क्षमता सीमित हो जाती है। परिणामस्वरूप अगर संगठित खरीदारों को गुणवत्ता और मात्रा में स्क्रैप घरेलू बाजार से प्राप्त करना है, तो यह एक जटिल और चुनौतीपूर्ण काम बना हुआ है। इससे निपटना अत्यंत आवश्यक है। देश में री-साइक्लिंग की व्यवस्था को मजबूत कल आयात की निर्भरता को कम किया जा सकता है।

BRIEF NEWS

गैस रिसाव क्षेत्र पहुंची एनडीआरएफ की टीम

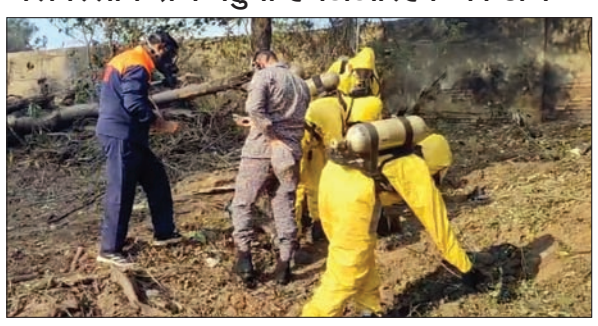

DHANBAD : धनबाद के केंदुआडीह में हो रही जहरीले गैस रिसाव की जांच करने रविवार को रांची से एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची हैं। जांच के दौरान एनडीआरएफ को केंदुआडीह के नया धौड़ा में कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा 1680 पीपीए मिला, जिसे देख टीम दंग रह गई। केंदुआडीह गैस रिसाव क्षेत्र का मुआयना करने रांची से एनडीआरएफ की टीम धनबाद पहुंच चुकी है। टीम केंदुआडीह थाना में कैंप कर रही है। एनडीआरएफ की 32 टीम गैस रिसाव वाले क्षेत्र का मुआयना कर ड्रैगन मल्टी गैस डिटेक्टर से गैस की मात्रा का डेटा कलेक्ट कर रही है। वहीं, सिंफर, डीजीएमएस, सीएमपीडीआईएल और बीसीसीएल की रेसक्यू टीम भी लगातार क्षेत्र में गैस रिसाव की जांच कर रही है। गैस रिसाव की जांच कर रहे एनडीआरएफ की टीम को केंदुआडीह के नया धौड़ा में डरा देने वाले नतीजे मिले हैं। एनडीआरएफ टीम का नेतृत्व कर रहे सहायक कमांडेंट विनय कुमार ने बताया कि क्षेत्र के अलग - अलग हिस्सों में गैस की मात्रा अलग- अलग मिला है, लेकिन नया धौड़ा में सबसे अधिक 1680 पीपीए कार्बन मोनोऑक्साइड पाया गया है, जो डराने वाले हैं। उन्होंने बताया कि यह गैस इंसान के शरीर में सांस के साथ होमोग्लोबिन में मिल जाती है, जिससे लंग्स को ऑक्सीजन नही मिल पाता और इंसान की मौत हो जाती है। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की टीम क्षेत्र में कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है, जहां भी गैस रिसाव होते पाया जा रहा है, वहाँ मार्किंग भी की जा रही है। वहीं, उन्होंने जिस क्षेत्र में जहरीले गैस की मात्रा अधिक है, वहां के लोगों से सतर्क रहने की अपील की। वहीं, जांच के दौरान ही एक महिला की अचानक तबियत बिगड़ गई। जिसके बाद उस महिला को तत्काल अस्पताल भेज दिया गया। मौके पर मौजूद पुटकी पीबी एरिया के नए जीएम जेके मेहता ने बताया कि एक दो स्थानों पर गैस की मात्रा अभी भी अधिक है, जोकि खतरे की घंटी है।

चोरी करते दबोचे गए तीन चोर

DHANBAD : धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को चोरी करते हुए रंगेहाथ दबोचा है। ये आरोपित चोरी की योजना बना रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस को देखकर भागने के क्रम में एक आरोपित का हाथ टूट गया। पुलिस ने बताया कि ये आरोपी कई मामलों में संलिप्त हैं और उनके पास से पांच लाख का गहना बरामद किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों को आज जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि ये आरोपित सरायढेला थाना क्षेत्र के विभिन्न कांडों में नामजद थे और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लंबे समय से प्रयास कर रही थी। सरायढेला थाना की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इन आरोपितों को दबोचा। पुलिस ने बताया कि ये आरोपित चोरी की योजना बना रहे थे और उनके पास से कई संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद की गई हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आसपास के क्षेत्र में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें।

धनबाद गैस रिसाव : राजपूत बस्ती के नीचे की जमीन हो गई खोखली

1.75 किलोमीटर तक भर गया पानी व गैस, चल रहा रेस्क्यू

PHOTON NEWS DHANBAD : झारखंड की कोयला नगरी धनबाद जमीन के नीचे से जहरीली गैस रिसाव होने के कारण चर्चा में है। बीसीसीएल की पीबी (पुटकी-बेलगड़िया) एरिया के केंदुआडीह में राजपूत बस्ती सहित इसके आसपास का क्षेत्र जहरीली गैस की चपेट में आ गया है। इस बात से कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली को अवगत करा दिया गया है। गैस कब, कहां से कितनी मात्रा में रिसाव हो रहा, इसे लेकर वैज्ञानिक अब भी जांच कर रहे हैं।

कोयला मंत्रालय और श्रम व रोजगार मंत्रालय को भी इससे अवगत करा दिया गया है। कोयला मंत्रालय ने कई टीमों को राहत एवं बचाव कार्य में पर लगा दिया है।

राजपूत बस्ती से निकल रही गैस ● फोटोन न्यूज

बीसीसीएल, कोल इंडिया, सीएमपीडीआईएल, डीजीएमएस आदि संयुक्त रूप से टीम बनाकर काम कर रही हैं। इसके अलावा आईआईटी आईएसएम, सिंफर के वैज्ञानिक भी इसमें लगे हुए है।

कोयला सचिव विक्रम देव दत्त पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी मंत्रालय से कर रहे है। बीसीसीएल प्रबंधन ने पुटकी-बेलगड़िया एरिया के महाप्रबंधक गणेश चंद्र साहा को कार्य में गंभीरता नहीं दिखाने पर निलंबित कर दिया है। जांच टीम को नक्शा के अध्ययन करने के बाद इलाका नीचे पूरी तरह से अग्नि प्रभावित है। नीचे पानी व गैस से भरा है। पहले यहां 13 व 14 नंबर सीम में भूमिगत खदान संचालित हो चुका है। बालू की भराई तक नहीं हुई है, जिसके कारण आग अंदर ही अंदर जहरीली गैस फैलती जा रही है। कोयला निकासी के बाद बड़ा भूभाग भूमिगत खनन के कारण खोखला हो गया है। यहां जमीन की सतह भुरभुरी होने की वजह से जहरीली गैस ऊपर आ रही है। बीसीसीएल की मानें तो इसका दायरा करीब 1.75 किमी है। धनबाद-बोकारो रोड के आसपास का पूरा इलाका गैस के प्रभाव में आ गया है।

गैस प्रभावित इलाका हो गया खतरनाक : मंत्रालय

कोयला मंत्रालय के अपर सचिव सनोज कुमार झा ने शनिवार को बताया कि जो रिपोर्ट मिली है, उसमें केंदुआडीह की राजपूत बस्ती का इलाका काफी खतरनाक हो गया है। पहले लोग यहां से हटकर जान बचाएं। जहां तक रोजगार की बात है, तो इसके लिए हर स्तर पर पहल हो रही है। पहले जिस तरह से बाढ़ आती थी, तो लोग जान की रक्षा करते थे। वैसे ही समझना होगा।रोजगार की चिंता करेंगे, तो स्थिति भयावह हो सकती है। बेलगड़िया व करमाटाड़ से आने-जाने के लिए साधन उपलब्ध करा दिए गए हैं। कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। मुआवजा तय कर दिया गया है। इससे स्वरोजगार करने कर सकते हैं।

आंदोलनकारियों से समय देकर भी नहीं मिले मंत्री दीपक बिरुवा, नाराजगी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में भारी वाहनों के लिए नो एंट्री लागू करने की मांग पर आंदोलनरत संगठनों का प्रतिनिधिमंडल रविवार को चाईबासा स्थित विधायक सह परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के कार्यालय पहुंचा, लेकिन निर्धारित समय पर मंत्री उपस्थित नहीं थे। इससे आंदोलनकारियों में नाराजगी देखी गई। उन्होंने कहा कि मंत्री दीपक बिरुवा ने मुलाकात के लिए समय दिया था और मौजूद नहीं हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल को सुबह 8.30 बजे वार्ता के लिए समय दिया गया था। बावजूद वे 9.30 बजे तक कार्यालय में इंतजार करते रहे। उसके बाद उन्हें यह संदेश मिला कि मंत्री अपने गांव में हैं और मुलाकात संभव नहीं है। उसके बाद आंदोलनकारियों ने अपना मांगपत्र मंत्री के सचिव सुभाष बनर्जी को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में सुरेश सोय, रमेश बालमुचू, महेंद्र जामुदा, बमेया बारी, रेयांस सामड, वासिल प्रेम हेंब्रम, बनमाली तमसोय, चंद्र मोहन बिरुवा, संदीप देवगम समेत अन्य आंदोलनकारी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

कारबाइन के साथ 4 अपराधी गिरफ्तार

केरेडारी थाना क्षेत्र में आलोक गिरोह का संचालन कर रहा था अर्जुन करमाली

PHOTON NEWS HAZARIBAG : हजारीबाग जिला स्थित केरेडारी थाना क्षेत्र में जिला पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी अंजनी अंजन को शनिवार शाम को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने एसडीपीओ, बड़कागांव के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने 1 कारबाइन, 3 पिस्टल व 9 गोली के साथ चार अपराधियों को खदेड़कर दबोच लिया।

एसपी को सूचना मिली थी कि संगठित गिरोह के कुछ अपराधकर्मी हथियार एवं गोली के साथ किसी गंभीर घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से बुंडू जंगल की ओर एकत्र हुए हैं। टीम केरेडारी थाना क्षेत्र के ग्राम बुंडू पहुंचकर बुंडू से कोले जाने

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन

वाली सड़क की ओर पैदल छापेमारी के लिए निकली। इसी क्रम में शाम को लगभग 7.15 बजे बुंडू जंगल के समीप सड़क किनारे कुछ व्यक्तियों को संदिग्ध स्थिति में देखा गया, जो पुलिस बल को देखकर भागने लगे। पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए चार लोगों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसमें अर्जुन करमाली उर्फ जयकांत उर्फ भैरव सिंह, समीर कुमार, राहुल कुमार और निखिल विश्वकर्मा शामिल हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के क्रम में अर्जुन करमाली ने बताया कि वह आलोक गिरोह में कार्य करता है तथा राहुल तुरी के मारे जाने के बाद गिरोह का संचालन कर रहा था। वह भैरव सिंह सहित अन्य नामों से लोगों को धमकी दिया करता था।

उसने यह भी स्वीकार किया कि 23 नवंबर की रात में गांव के ही रूपलाल करमाली की गोली मारकर हत्या की गई थी। पहले 7.62 एमएम पिस्टल से फायर किया गया, परंतु गोली फंस जाने के कारण कारबाइन से पुनः फायर कर हत्या की गई।

गिरफ्तार सभी व्यक्ति 6 दिसंबर को एनटीपीसी कोयला खनन परियोजना में एमडीओ एवं ट्रांसपोर्टरों से लेवी नहीं मिलने के कारण किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से एकत्रित हुए थे।

सड़क पर पलटे वाहन से बिखरा मलबा

पिकअप वैन पलटने से शराब की बोतलें सड़क पर बिखरीं

KODERMA : जिले के सतगावां में छोटे वाहनों से शराब की तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है। इसका खुलासा रविवार को हुआ जब सतगावां थाना अंतर्गत रामडीह के नौवाचक स्थित अपना लाइन होटल के पास अहले सुबह एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन के पलटने से शराब की पेटियां गिर गयी और बोतलें सड़क पर बिखर गयी। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक पिकअप में प्लाई लकड़ी का फ्रेम बनाकर बीच में लगभग 130 पेटी शराब की पेटियों को इस तरह छिपाया गया था कि बाहरी लोगों को इसकी भनक तक न लगे। वाहन पलटते ही सड़क पर भारी मात्रा में शराब की बोतलें बिखर गईं। सूचना मिलते ही सतगावां थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू कर पलटे वाहन को सीधा करवाया और उसे थाना ले जाया गया। घटना के बाद से फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है।

एंटी क्राइम चेकिंग में पिस्टल के साथ कार चालक किया गया गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

AGENCY PALAMU : पलामू के विश्रामपुर थाना पुलिस ने तोलरा-लालगढ़ मुख्य मार्ग पर एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक कार सवार युवक को पिस्टल और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। दो मौके से भागने में सफल रहे। जिले की एसपी रिष्मा रमेशन ने रविवार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी यह जानकारी। पुलिस के अनुसार छह दिसंबर को हर दिन की तरह तोलरा-लालगढ़ मुख्य मार्ग पर एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।

इसी क्रम में रात 10:40 पर तोलरा की ओर से आ रही एक उजले रंग की कार पुलिस टीम को देखकर वापस उसी दिशा में भागने की कोशिश करने लगी। पुलिस कर्मियों ने दौड़कर कार को रोका, लेकिन उससे पहले ही ड्राइवर सीट के बगल में एवं पीछे बैठे एक-एक व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति की संदेह के आधार पर तलाशी ली गई तो उसकी कमर से एक पिस्तौल बरामद हुई। उसकी पहचान गुंजन मिश्रा के रूप में हुई। वह विश्रामपुर के नौगढा ओपी के ग्राम अमवा का रहने वाला है, जबकि फरार लोगों की पहचान अमवा के रोहित मिश्रा उर्फ छोटू मिश्रा एवं नौगढा के गुप्तेश्वर सिंह उर्फ गुप्ता सिंह के रूप में हुई है। पुलिस पूरे मामले में अनुसंधान कर रही है। रविवार को पिस्टल के साथ गिरफ्तार गुंजन मिश्रा को न्यायिक में भेज दिया गया।

मैदान में खेलते दोनों टीमों के खिलाड़ी ● फोटोन न्यूज

जमशेदपुर टाइटन व भूमिपुत्र धरमबहाल ने जीते क्रिकेट मैच

GHATSILA : एचसीएल-आईसीसी कंपनी द्वारा प्रायोजित 31 बासुकी सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन रविवार को पहला मैच आईसीसी एकादश एवं जमशेदपुर टाइटन के बीच खेला गया। जमशेदपुर टाइटन ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। आईसीसी एकादशी मऊभंडार ने निर्धारित 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 91 रन बनाया। जवाबी पारी खेलने उतरी जमशेदपुर टाइटन की टीम ने 9.3 ओवर में 94 रन बनाकर दूसरे राउंड में प्रवेश किया। वहीं दूसरा मैच भूमिपुत्र धरमबहाल एवं सुरदा वॉरियर्स के बीच खेला गया। सुरदा की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सुरदा की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट होकर 94 रन बनाए, जवाबी पारी खेलने उतरी भूमिपुत्र धरमबहाल की टीम ने 9.1 ओवर में पांच विकेट खोकर 97 रन बनाकर दूसरे राउंड में प्रवेश किया।

दुकान में लगी भीषण आग लाखों का सामान जलकर राख

AGENCY KODERMA : जिले के चंदवारा प्रखंड अंतर्गत भोंडो गांव के चौक स्थित बाबा इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में शनिवार की रात भीषण आग लगने से दुकान में रखा कीमती सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है। ?दुकान के संचालक संजय रजक ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से दुकान बंद करके अपने इलाज के लिए दूसरे शहर गया था और शनिवार की रात ही घर लौटे थे। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह लगभग 4 बजे उन्हें दुकान से धुआं उठने और आग लगने की सूचना मिली। देखते ही देखते स्थानीय लोग बड़ी संख्या में दुकान के पास इकट्ठा हो गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

धू-धूकर जलती दुकान

स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान में रखे कीमती इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुके थे। इस घटना से संजय रजक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने गांव के ही एक युवक पर दुकान में आग लगाने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आदर्श गृह निर्माण स्वावलंबी समिति, सोनारी ने 16 वर्ष पूर्व दायर की थी याचिका

झारखंड में निःशुल्क होगी हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी में रजिस्ट्री

PHOTON NEWS JSR : सुप्रीम कोर्ट ने 5 दिसंबर को एक फैसला सुनाया है, जिसके तहत अब झारखंड में हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी की संपत्तियों की रजिस्ट्री निःशुल्क होगी। हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी के तहत बने फ्लैट, डुप्लेक्स और प्लॉट की रजिस्ट्री पर लगने वाले स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्री शुल्क को समाप्त कर दिया है। इस आदेश से जमशेदपुर, रांची, धनबाद सहित पूरे राज्य के लाखों खरीदारों को बड़ी राहत मिलेगी। अब तक को-ऑपरेटिव सोसाइटी के आवासीय परिसरों की रजिस्ट्री कराने पर खरीददारों को सर्किल रेट के आधार पर 7% स्टांप ड्यूटी देनी पड़ती थी। इसके कारण एक फ्लैट या डुप्लेक्स की रजिस्ट्री पर आम लोगों को औसतन 2-10 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ता था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह शुल्क नहीं लगेगा।

आदर्शनगर के सीईओ ने कहा- सबको होगा लाभ

इसके लिए आदर्श गृह निर्माण स्वावलंबी समिति, सोनारी जमशेदपुर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) वाईएन यादव ने 16 वर्ष पूर्व सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। 16 वर्ष तक चले कानूनी संघर्ष के बाद सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया। वाईएन यादव ने कोर्ट के इस फैसले को लोगों को राहत देने वाला तो बताया ही, को-ऑपरेटिव संस्थाओं के लिए भी अहम निर्णय बताया है। वर्ष 1980 से को-ऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े वाईएन यादव कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से आमलोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि पहले लोगों को यह सुविधा मिलती थी, लेकिन अधिकारियों ने पेंच फंसाकर इसे बंद कर दिया था, जिससे लाखों लोगों को करोड़ों रुपये खर्च करना पड़ता था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की कॉपी झारखंड भू-राजस्व एवं निबंधन विभाग को भेज दी गई है। हालांकि विभाग ने अभी तक इस आदेश के आधार पर नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है। यह फैसला जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और न्यायाधीश अतुल एस. चंदुरकर की खंडपीठ ने सुनाया है।

जमशेदपुर समेत झारखंड में हैं 524 हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी

झारखंड में रजिस्टर्ड कुल सहकारी समितियों की संख्या 11409 और इसमें से हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी की संख्या 524 है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार समिति के कुल सदस्यों की संख्या करीब 40 हजार है। मालूम हो कि जमशेदपुर में ऐसी कोआपरेटिव सोसाइटी की संख्या करीब 70 है। जमशेदपुर निबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार हर दिन औसत 8-10 रजिस्ट्री शहर के हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी के फ्लैट, डुपलेक्स व प्लाट की होती है।

को-ऑपरेटिव को समझे बिना लिए जाते हैं मनमाना निर्णय

वाईएन यादव बताते हैं कि अधिकतर अधिकारी को-ऑपरेटिव को जाने-समझे बिना मनमाना आदेश जारी कर देते हैं, जिससे आम आदमी अधिकारों से वंचित हो जाता है। हर बात के लिए कोर्ट जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आदर्श गृह निर्माण स्वावलंबी समिति, सोनारी का जुलाई महीने में चुनाव हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या कर डीसी खुद चुनाव पदाधिकारी बन गए। वैसे लोगों को चुनाव लड़ने का मौका दे दिया, जो डिफॉल्टर के साथ समिति से निष्कासित हैं। चुनाव के बाद उन जीते हुए निष्कासित सदस्यों को डीसी, एसडीओ तथा डीसीओ द्वारा जबरन समिति के ऑफिस में बैठा दिया गया है। जबकि, सोसाइटी के एक्ट और बायलॉज के अनुसार सीईओ समेत अन्य फंक्शनल डायरेक्टर व निर्वाचित समिति के सदस्यों के प्रतिनिधियों को मिलाकर बोर्ड का गठन होता है। बोर्ड में चेयरमैन का चुनाव होता है। बोर्ड अगर कहता है कि सीईओ को हटाना है तो फिर एजीएम होती है जहां से पास होने पर सीईओ को हटाया जाता है। लेकिन, जिला प्रशासन ने मनमानी कर समिति का कमान उन लोगों को सौंप दिया है, जिनका वह अधिकारी ही नहीं है। अभी आदर्श गृह निर्माण स्वावलंबी समिति, सोनारी बिना बोर्ड के ही अवैध तरीके से चल रहा है। प्रशासनिक अधिकारी नियम-कानून को सुनने- समझने को तैयार नहीं है। हालांकि कानूनी लड़ाई जारी है। लेकिन इस दौरान समिति और उसके सदस्यों का जो नुकसान होगा उसकी भरपाई कौन करेगा? वैसे मैं जल्द ही मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से मिलकर अपनी बातों को रखूंगा।

पेज एक का शेष...

झारखंड में एक बार फिर भाजपा का राग...

सत्र अपने मन से चल रहे हैं। कानून-व्यवस्था भी एकदम से मुतमइन नहीं करती। वित्तीय संकट का आलम यह कि टाटा समूह जैसे निजी संस्था से कर्ज लेना पड़ रहा है। शराब घोटाला और जमीन घोटाले में जूनियर-सीनियर अधिकारियों और बिचौलियों की गिरफ्तारी और आये दिन हो रही पूछताछ रूह कंपाती है। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जिस प्रकार लाखों आवेदन पड़ते हैं, उसका एक निहितार्थ यह भी है कि ब्लॉक, सबडिवीजन और जिला स्तर पर बाबूगीरी का प्रबल प्रताप कायम है।

यह स्थिति-परिस्थिति एक दिन या एक साल या किसी सरकार के एक कार्यकाल में नहीं बनी। एक तरह से यह शाश्वत समस्या है। कायदे से सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष को मिलजुलकर इन छोटी-मोटी किंतु बड़े प्रभाववाली समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहिए। सत्ता पक्ष की जवाबदेही अधिक है और उसका यह परम कर्तव्य भी है, क्योंकि वह समस्याओं के समाधान के वायदे कर ही अपार बहुमत पा सकी थी। जनमानस का भरोसा न टूटे, यह उपाय तो उसे ही करना है, क्योंकि किस्मत का वार और जनता की मार आहिस्ते से होती है।

प्रसंगवश : जैसी कि चर्चा है, किन्हीं दबावों में हेमंत सोरेन भाजपा संग मिलकर भी सरकार बना सकते हैं। खुदा न खास्ता ऐसा हुआ, क्या तब भी भाजपा का राग बांग्लादेशी जारी रहेगा! 2014-19 के बीच जब राज्य में उसकी सरकार थी, तब तो यह राग सुनाई नहीं पड़ा था। हम यह नहीं कहते कि असम में जिस प्रकार 19 लाख लोगों को चिह्नित किया गया है, उनकी मास डिपोर्टिंग क्यों नहीं शुरू की जा रही है! सरकार है, वह राजा है, अपने ढंग से काम करेगी।

BRIEF NEWS

झारखंड में उम्मीद पोर्टल पर वक्फ की 67 % संपत्ति अपलोड

RANCHI : झारखंड में वक्फ की संपत्तियों में से 67.92 प्रतिशत के ब्योरे को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा तय समय सीमा के अनुसार झारखंड में वक्फ की संपत्तियों को अपलोड करने का कम छह दिसंबर की रात 11.59 बजे तक किया गया। केंद्र सरकार ने वक्फ की संपत्तियों का ब्योरा अपलोड करने के लिए छह दिसंबर की आधी रात तक का समय दिया था। इस निर्धारित समय सीमा तक झारखंड में वक्फ की कुल 159 संपत्तियों में से 108 का ही ब्योरा अपलोड करना संभव हो पाया। वक्फ की कुल 159 संपत्तियों मे से 151 संपत्ति झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड और आठ संपत्ति शिया वक्फ बोर्ड से संबंधित है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने की ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की मांग

RANCHI : राजधानी रांची से इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के बाद यात्रियों की बढ़ती भीड़ अब रेलवे पर निर्भर हो रही है। स्थितियों को देखते हुए झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने रांची रेल मंडल के डीआरएम को पत्र लिखकर प्रमुख ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की मांग की है। चेंबर की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि उड़ानें रद्द होने की वजह से अचानक यात्री संख्या बढ़ी है। इसके कारण रांची रेल मंडल की ट्रेनों में सीटों की तुलना में प्रतीक्षा सूची तेजी से बढ़ रही है और यात्रियों को टिकट की उपलब्धता में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चेंबर के महासचिव रोहित अग्रवाल ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति में यह पर्याप्त नहीं है।

झामुमो की बैठक में वार्ड 15 कमेटी का गठन कबर कुरैशी बने अध्यक्ष

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची महानगर की ओर से रविवार को आयोजित बैठक में वार्ड 15 कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान कबर कुरैशी को सर्वसम्मति से वार्ड अध्यक्ष चुना गया। बैठक में संगठनात्मक विस्तार के तहत सुफियान कुरैशी, मोहम्मद कैफ और अनवर हुसैन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं आशा खालको, शेख समीर और मोहम्मद रिजवान को सचिव बनाया गया। जहांगीर को सहझसचिव तथा रवि विश्वकर्मा को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में रांची महानगर संयोजक मंडली के सदस्य एवं केंद्र सदस्य अंतू तिर्की सहित अफरोज आलम, जितेंद्र गुप्ता, भोलू मलिक, सुषमा बड़ाईक, अजीत नायक और सनी मौजूद रहे। शेख रिजवान, अनवर हुसैन, मोहम्मद उजैर, समीर खान, वसीम, पप्पू आलम, मोहम्मद शोबी, मोहम्मद सलमान और शम्मी सहित अन्य सदस्य भी बैठक में उपस्थित रहे।

रांची रेल मंडल की ट्रेनों में बढ़ी भीड़, लंबी दूरी की यात्राओं पर दिखा प्रभाव

PHOTON NEWS RANCHI : हवाई यात्रा महंगी होने का सीधा असर अब रांची रेल मंडल की ट्रेनों पर दिखाई देने लगा है। हाल के महीनों में एयर किरायों में लगातार बढ़ोतरी के कारण लंबी दूरी के यात्रियों ने ट्रेन को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। इसका नतीजा यह है कि रांची से चलने वाली प्रमुख ट्रेनों में यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है और सीटें पहले के मुकाबले बहुत जल्दी भरने लगी हैं।

विशेषकर त्योहारों, छुट्टियों और पीक सीजन में अधिकांश ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी हो जाती है। जिससे कन्फर्म टिकट पाना यात्रियों के लिए चुनौती बन जाती है। ठीक वही हाल रांची रेल मंडल के टिकट तालिका में देखने को मिल रहा है। इन दिनों टिकटों के लिए मारामारी है। क्योंकि लोगों को टिकट मिल ही नहीं रही है और लगभग सभी ट्रेनें फुल चल रही है।

रेल मंडल के अधिकारियों के अनुसार, राजधानी एक्सप्रेस, जनशताब्दी, हटिया-हावड़ा, रांची-दिल्ली, रांची-मुंबई समेत दक्षिण भारत जाने वाली ट्रेनों में भी टिकटों की मारामारी है। कई प्रमुख रूट्स पर यात्रियों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। पहले जहां यात्रा की योजना कुछ दिनों पहले बनाकर आसानी से टिकट मिल जाता था, वहीं अब टिकट बुकिंग के लिए यात्रियों को सप्ताह पहले तैयारी करनी पड़ रही है। एयर किराया बढ़ने से यात्रा खर्च बढ़ जाने के कारण बड़ी संख्या में यात्री किफायती विकल्प के रूप में रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक मान रहे हैं।

□ रांची से चलने वाली प्रमुख ट्रेनों में यात्रियों की तादाद में तेजी से हुआ इजाफा, सीटें पहले के मुकाबले भरने लगीं जल्दी

हवाई किराया बढ़ने से ट्रेन ही बेहतर विकल्प

रांची-दिल्ली, रांची-पटना और रांची-हावड़ा जैसे व्यस्त रूट्स पर भीड़ इतनी बढ़ गई है कि कई बार ट्रेनें फुल कैपेसिटी से भी अधिक बुक हो जाती हैं। यात्रियों का कहना है कि हवाई किराया बढ़ने के बाद रेल ही सबसे बेहतर विकल्प बचता है। लेकिन वेटिंग लिस्ट बढ़ जाने से यात्रा की योजना पर असर पड़ रहा है। कई यात्रियों को तत्काल टिकट के लिए इंतजार करना पड़ता है, जबकि कई बार अंतिम समय में भी टिकट कन्फर्म नहीं हो पाता। यात्रियों की इस बढ़ती संख्या को देखते हुए माना जा रहा है कि रेलवे भविष्य में कुछ प्रमुख रूट्स पर अतिरिक्त फेरे लगाने या नई ट्रेनें शुरू करने पर विचार कर सकता है। अधिकारी बताते हैं कि ट्रेनें बढ़ाने का फैसला रेलवे बोर्ड स्तर पर लिया जाता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर मांग बढ़ना अब साफ दिखने लगा है। त्योहारों के समय विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाने पर भी विभाग गंभीरता से विचार करता है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। हवाई यात्रा महंगी होने से रांची रेल मंडल पर यात्रियों का दबाव बढ़ गया है। रेल की मांग में यह उछाल बताता है कि लोग अब किफायती और सुरक्षित यात्रा के लिए ट्रेनों पर अधिक निर्भर हो रहे हैं। आने वाले समय में रेलवे को इस बढ़ती मांग के अनुसार अपनी सेवाओं को विस्तार और प्रबंधन के लिए कदम उठाने पड़ सकते हैं। रांची रेल मंडल के जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक राजधानी एक्सप्रेस समेत अन्य कई प्रीमियम ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है। रांची रेल मंडल में यात्रियों की परेशानी बढ़ी है, फिलहाल यह स्थिति बनी रहेगी।

हेल्थ फैसेलिटीज को विस्तार देने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम

सदर हॉस्पिटल में शुरू होगा नेफ्रोलॉजी विभाग, बढ़ाए जा रहे स्पेशलिस्ट डॉक्टर

VIVEK SHARMA, RANCHI : राजधानी के दूसरे सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि जल्द ही यहां नेफ्रोलॉजी विभाग की शुरूआत की जाएगी। इसके शुरू होने के बाद राजधानी और आसपास के जिलों के किडनी मरीजों को उपचार के लिए रिम्स या निजी अस्पतालों की ओर भागना नहीं पड़ेगा। नए विभाग में किडनी से संबंधित सभी प्रकार की जांच और ट्रीटमेंट की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे मरीजों का समय पर इलाज मिलेगा। वहीं आर्थिक बोझ भी कम होगा।

सदर अस्पताल प्रबंधन की मानें तो नेफ्रोलॉजी विभाग शुरू करने को लेकर सारी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी तेजी से की जा रही है। फिलहाल अस्पताल में प्रतिदिन 1500 से अधिक मरीज ओपीडी में इलाज करवाने पहुंच रहे हैं। ऐसे में स्पेशलिस्ट सेवाओं का विस्तार मरीजों को राहत देने वाला साबित होगा। चूंकि वर्तमान में मेडिसिन विभाग में ही किडनी मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

□ किडनी मरीजों के लिए एक और सरकारी अस्पताल में उपलब्ध होगी सुविधा
□ जल्दी ही अस्पताल में न्यूरो फिजिशियन ओपीडी भी किया जाएगा शुरू
□ ओपीडी में हर दिन इलाज के लिए पहुंच रहे 1500 से अधिक मरीज

सदर अस्पताल का भवन

अस्पताल की क्षमता में होगी बढ़ोतरी

अस्पताल में पहले से मौजूद मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति और स्त्री रोग, आई, स्किन विभाग के साथ अब किडनी विभाग भी जुड़ जाएगा। नेफ्रोलॉजी विभाग की सुविधा शुरू होने के बाद अस्पताल की क्षमता और बढ़ेगी। खासकर उन मरीजों के लिए यह राहत की खबर है, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण निजी अस्पतालों में महंगा इलाज नहीं करवा पाते।

एक ही छत के नीचे हर प्रकार का उपचार

इसके अलावा अस्पताल प्रशासन की ओर से यह भी बताया गया है कि सदर अस्पताल में न्यूरो फिजिशियन ओपीडी की शुरूआत भी जल्द की जाएगी। इससे मरीजों को हर तरह का इलाज एक ही छत के नीचे मिल सकेगा। वर्तमान में ऐसे मरीजों को भी रिम्स या निजी अस्पतालों में लंबी कतारों का सामना करना पड़ता है। वहीं इलाज में खर्च होता है सो अलग। एक अधिकारी ने कहा कि बढ़ती मरीजों की संख्या को देखते हुए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम समय की मांग है। आने वाले दिनों में अस्पताल में और भी सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं शुरू करने की योजना है।

एचईसी संकट पर ट्रेड यूनियन एकजुट, आंदोलन की तैयारी 10 को होगी अहम बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची स्थित भारी इंजीनियरिंग कॉपोरेशन (एचईसी) के भविष्य को लेकर बढ़ते आर्थिक संकट और अनिश्चितताओं के बीच विभिन्न मजदूर संगठनों ने रविवार को हटिया मजदूर यूनियन के नेतृत्व में धुर्वा स्थित कार्यालय में संयुक्त बैठक की, जिसमें एचईसी को बंद होने से बचाने, ठेका श्रमिकों की बहाली और बकाया वेतन भुगतान सहित कई प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 10 दिसंबर को शाम 5 बजे हटिया मजदूर यूनियन कार्यालय में सभी यूनियनों के अध्यक्ष और महामंत्री की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक होगी। इसमें आंदोलन की अंतिम रूपरेखा तैयार की जाएगी।

हटिया मजदूर यूनियन के भवन सिंह ने बताया कि एचईसी बंद होने की चचाओं से कर्मचारी मानसिक तनाव में हैं और भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों की मांगों की अंतिम सूची तैयार कर सरकार और प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति, प्रबंधन की निष्क्रियता और निजीकरण की आशंकाओं को सभी यूनियनों ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचईसी के निजीकरण, विक्रय या बंद करने की किसी भी कोशिश का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

बैठक में पारित संयुक्त प्रस्ताव के अनुसार पांच प्रमुख मांगों पर सर्वसम्मति बनी, इनमें एचईसी को बंद करने या बेचने के प्रस्ताव पर तत्काल रोक, उच्चस्तरीय सरकारी हस्तक्षेप, प्रधानमंत्री कार्यालय स्तर पर वार्ता, श्रम संहिता का विरोध और लंबित वेतन का भुगतान तथा ठेका श्रमिकों की बहाली शामिल थी। बैठक में एटक सहित विभिन्न मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह का आवास घेरेंगे मनरेगाकर्मी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर 08 दिसंबर को एक बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य के अलग-अलग जिलों से रांची आकर मनरेगाकर्मी ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के आवास का घेराव करेंगे। इस दौरान मनरेगाकार्मियों ने धरना-प्रदर्शन की भी योजना बना रखी है। संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जॉन पीटर बागे ने बताया कि सोमवार को मंत्री आवास घेरो कार्यक्रम में राज्य भर के बीपीओ, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कम्पूटर सहायक और ग्राम रोजगार सेवक शामिल होंगे।

झारखंड में लगभग 5000 मनरेगा कर्मी 18 वर्षों से अपनी सेवा ग्रामीण विकास विभाग के तहत सुदूर क्षेत्र के पंचायतों में देते आ रहे हैं। जॉन पीटर बागे ने बताया कि राज्य के मनरेगाकर्मियों को काम के बदले में मनरेगा मद के 4% प्रतिशत प्रशासनिक मद से मानदेय भुगतान किया जाता है। इसके अतिरिक्त किसी भी तरह का अतिरिक्त लाभ कर्मियों को नहीं दिया जाता है यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने कहा कि राज्य के मनरेगाकर्मी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कई बार हड़ताल, धरना प्रदर्शन और आंदोलन करते आ रहे हैं। लेकिन अब तक किसी भी सरकार के द्वारा मनरेगाकर्मियों के हितों के समाधान के लिए उचित पहल नहीं की गयी। जिससे राज्य के समस्त मनरेगा कर्मियों में काफी आक्रोश है। 03 दिसंबर की बैठक में एजेंडा प्रस्तावित है कि अपीलीय प्राधिकार प्रमंडलीय आयुक्त के स्थान पर मनरेगा आयुक्त को अधिकृत किया जाए। इस निर्णय से दूरस्थ क्षेत्रों के मनरेगा कर्मियों को काफी परेशानी होगी, अतः प्रथम अपीलीय प्राधिकार प्रमंडलीय आयुक्त को ही रहने दिया जाए ताकि स्थानीय स्तर पर मामलों की सुनवाई सुनिश्चित हो सके तथा मनरेगाकर्मियों को समय न्याय मिल सके।

राजद संसदीय बोर्ड ने नगर निकाय चुनाव को लेकर की मीटिंग

RANCHI : राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश संसदीय बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को प्रदेश कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व विधायक दल के नेता सुरेश पासवान ने की। इस अवसर पर झारखंड सरकार के श्रम मंत्री संजय प्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय कु सिंह यादव, विधायक नरेश सिंह, प्रवक्ता कैलाश यादव, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रश्मि प्रकाश, पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील साहू मौजूद रहे। संसदीय बोर्ड ने संकल्प लिया कि राज्य में होने वाले आगामी नगर निकाय चुनाव राजद मजबूती के साथ लड़ेगा। इसके लिए प्रमंडल और जिला स्तर पर प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। ये लोग समन्वय बनाकर उम्मीदवार चयन और चुनाव संचालन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

झारखंड में अभी जारी रहेगी कड़ाके की ठंड कुछ दिनों में घट सकता है न्यूनतम तापमान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में फिलहाल ठंड का असर जारी है और आने वाले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, हालांकि ठंड की तीव्रता बनी रहेगी। राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश जिलों में सुबह और शाम की ठंड पहले की तरह कड़क बनी रहेगी। तापमान में हल्की बढ़ोतरी के बावजूद लोगों को अब भी कनकनी और ठंडी हवाओं का सामना करना पड़ेगा।

राज्य के पश्चिमी जिलों पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में पिछले एक सप्ताह से शीतलहर का प्रभाव बना हुआ है। वहीं मध्यवर्ती जिले गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा में भी ठंड सामान्य से अधिक महसूस की जा रही है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 28 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार को रांची में सुबह आसमान साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद हल्के बादल छाए रहे। दिनभर तापमान में गिरावट महसूस की गई और शाम होते ही ठंड और तेज हो गई। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 23.7 और न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री, जमशेदपुर में 26.1 डिग्री और 9.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 27.3 और 6.5 डिग्री,बोकारो में 23.1 और 8.2 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कार्यक्रम

रांची में 'मेरा टीवी फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन, स्थानीय कलाकारों को मिला नया मंच

फिल्म और कला की दुनिया में भर दी नई ऊर्जा

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में आयोजित 'मेरा टीवी फिल्म फेस्टिवल' ने झारखंड की फिल्म और कला की दुनिया में नई ऊर्जा भर दी है। इस आयोजन में कई बायोपिक और रीजनल फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें स्थानीय विषयों, कहानियों और झारखंड की संस्कृति को केंद्र में रखा गया था। फेस्टिवल में बड़ी संख्या में दर्शकों, कलाकारों और फिल्म निर्माताओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर फिल्म यूनिट और निर्माताओं की ओर से बनाए गए विशेष स्टॉल भी लगाए गए, जहां कलाकारों और दर्शकों के बीच सीधा संवाद हुआ।

फिल्म फेस्टिवल में लगे पोस्टर को देखतीं दर्शक

झारखंड के कलाकारों में किसी भी स्तर पर मुकाबला करने की क्षमता

फेस्टिवल में जो फिल्में प्रदर्शित की गईं उनमें झारखंड की लोक कथाएं, सामाजिक मुद्दे, जनजातीय संस्कृति, ग्रामीण जीवन और नई पीढ़ी की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया गया। दर्शकों ने भी इन फिल्मों को काफी सराहा। कई फिल्मों को उच्च तकनीक, कहानी और अभिनय के लिए विशेष प्रशंसा मिली। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि झारखंड के कलाकार किसी भी स्तर पर मुकाबला करने की क्षमता रखते हैं। आयोजकों का कहना है कि इस फेस्टिवल के माध्यम से झारखंड की फिल्मों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया गया है। उनका मानना है कि अगर राज्य सरकार, फिल्म संस्थान और निजी प्रोडक्शन हाउस मिलकर काम करें, तो आने वाले समय में झारखंड फिल्म इंडस्ट्री को एक नई पहचान मिल सकती है।

इस प्रकार के आयोजन से स्थानीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए खुलेंगे नए द्वार

फिल्म फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य झारखंड के उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराना था। आयोजकों का मानना है कि राज्य में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन प्लेटफॉर्म की कमी के कारण कई प्रतिभाएं सीमित रह जाती हैं। ऐसे आयोजन न केवल कलाकारों को मौका देते हैं, बल्कि स्थानीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए नए द्वार भी खोलते हैं।

इस आयोजन से बेहद उत्साहित दिखे कलाकार

फेस्टिवल में शामिल स्थानीय कलाकार भी इस आयोजन से बेहद उत्साहित दिखे। उनका कहना था कि इस तरह के कार्यक्रम उन्हें न सिर्फ एक्सपोजर देते हैं, बल्कि करियर को आगे बढ़ाने में नई संभावनाएं भी खोलते हैं। कई नए अभिनेताओं, निर्देशकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने मौके का फायदा उठाते हुए अपने काम को बड़े मंचों पर पेश किया। कुल मिलाकर, 'मेरा टीवी फिल्म फेस्टिवल' ने रांची को फिल्म कला के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। ऐसे आयोजन न केवल स्थानीय कलाकारों को सशक्त करते हैं, बल्कि झारखंड की फिल्मों को नई उड़ान देने का भी काम करते हैं।

ऊर्जा विकास निगम में बढ़ते शोषण के खिलाफ श्रमिक संघ करेगा घेराव

RANCHI : झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की रांची जिला इकाई के ईस्ट डिविजन की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को बॉम्बे पावर सबस्टेशन में जलील अंसारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने निगम प्रबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि झारखंड ऊर्जा विकास निगम में हजारों विद्युत कर्मियों का शोषण लगातार बढ़ रहा है और अब संघ इस अन्याय के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि निगम में बहाली सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई है, जबकि कर्मियों से अत्यधिक जोखिम भरा कार्य लिया जाता है। कुप्रबंधन के कारण इस वर्ष कई दुर्घटनाएं हुईं और कई विद्युत कर्मियों की मौत तक हो गई।

झारखंडी अस्मिता का अपमान कर रहे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा : बंधु

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने भाजपा और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में प्रचंड बहुमत से चुनी गई सरकार को देशद्रोहियों के बल पर चलने वाली सरकार बताना न केवल संविधान का अपमान है, बल्कि झारखंडी अस्मिता और आदिवासी-मूलवासी समाज का भी तिरस्कार है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की जनता विशेषकर आदिवासी समुदाय ने भाजपा के खिलाफ स्पष्ट जनादेश दिया था। इसके प्रमाण में उन्होंने बताया कि पिछली विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित 28 में से 27 सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विजयी हुए थे।

भाजपा और उसके नेताओं की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता अब किसी से छिपी नहीं रही है। बंधु तिर्की ने आदिवासी अधिकारों के मुद्दे पर भाजपा को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पेसा कानून को अडानी समूह के हित में कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंगरौली जिले में लाखों पेड़ों की कटाई, हजारों हेक्टेयर वन भूमि का कब्जा और आदिवासी गांवों में पार्बदियां भाजपा शासित सरकारों की दमनकारी नीतियों का उदाहरण हैं।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

एक थे नेताजी

मैं यहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस की बात नहीं कर रहा हूं। मैं उसकी चर्चा कर रहा हूं, जिसे अचानक भीड़ का जुगाड़ करने के लिए जाना जाता है। न जाने कितने लोग इनकी भीड़ से नेतागीरी चमका चुके हैं, लेकिन अब ये खुद लंबे समय से हाशिए पर हैं। चारों घाट घूमने के बाद अब ये मूल दल में आ चुके हैं, अब जिस पत्तल में खाया... मुहावरे को चरितार्थ कह रहे हैं। लंबे समय से कोमा में चल रहे नेताजी को तब होश आया, जब इनके इलाके में तोड़फोड़ हो गई। लंबे समय तक कूड़ा-करकट यूनियन चलाने वाले नेता ने फिर भीड़ जुटा ली। शोरगुल मचाया। अगले दिन कंबल आदि भी बांटे। दूसरे दिन एक नए नेता ने भी उन्हीं लोगों में कंबल बंटवा दिया। ये अब अपने नेतृत्व को ही ललकारने लगे, तो मुकदमा हो गया है। अब नेताजी फिर कोमा में चले गए।

फ्लाईओवर बना अखाड़ा

राजनीति करने के लिए मुद्दा कुछ भी हो सकता है, यह अपने शहर के नेताओं को बताने की जरूरत नहीं है। जनहित की बात पर तो कई लोग राजनीति करते हैं, जनता को शॉक पहुंचाने वाली राजनीति भी कर लेते हैं।

हाल ही में ऐसा फ्लाईओवर के मामले में दिखा। कुछ लोग अपनी दुकानदारी ठप होने की वजह से पहले चार-चार रैम्प बनाने को लेकर मुद्दा बना चुके थे, तो थोड़ी ही दूर पर एक और फ्लाईओवर के लिए खोदाई शुरू होते ही बवाल मचा दिया। मुद्दा वही, दुकानदारी चौपट हो जाएगी। इसमें जब विरोधी भी डबल तेवर से आक्रामक हुआ, तो चौबीस घंटे बाद खोदाई शुरू हो गई। अभी यह पता नहीं चला है कि फ्लाईओवर बनने के बाद दुकानदारी चौपट होगी कि नहीं। इस बात का भी पता नहीं चला कि किस अदृश्य शक्ति के दबाव में जब- तब फ्लाईओवर का पिलर हिलाया जाता है।

सरताज या कब्रगाह

शहर की जनसुविधा को देखने की जिम्मेदारी जिस संस्था पर है, उसे बीच-बीच में जबरदस्त कोपभाजन का शिकार भी बनना पड़ता है। कभी उसे सरताज बना दिया जाता है, तो कभी कब्रगाह बताकर लानत-मलामत कर दी जाती है। शायद, संस्था के मुखिया की चमड़ी काफी मोटी हो गई है, वरना कब इस्तीफा देकर निकल जाते। यदि ऐसा नहीं होता तो अदालत से बार-बार मिलने वाली कड़ी फटकार का कुछ तो असर होता ही। शायद, उन्हें भी पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों का मोहरा भर है। जब सचमुच हंटर चलेगा, तो पहले आकाओं की पीठ छिलेगी। उसके बाद जो होगा देखा जाएगा, अभी तो गेहूं के घुन की तरह पिसने में ही भलाई है। एक ही बिल्डिंग को बार-बार सील करते हुए वे थक गए हैं। खास बिल्डिंग की तरफ नहीं देखना है, यह भी उन्होंने रट लिया है। कमजोर की लुगाई, सबकी भौजाई होती ही है।

चालाक भतीजा का काम

शहर की राजनीति में चाचा-भतीजा अब भी प्रासंगिक बने हुए हैं। कुछ दिन पहले ही चतुर चाचा के समर्थकों ने एक बार फिर चालाक भतीजे के किए-कराए का लेखा-जोखा उजागर करने की तैयारी शुरू कर दी है। इतना भारी काम वे खुद नहीं कर सकते, इसलिए सरकारी मशीनरी का उपयोग करने की योजना बनाई है। अब पता नहीं, सरकार में बैठे लोग अपने दैनिक कामकाज को निपटाएंगे या पंचवर्षीय योजना से इस प्रस्ताव को पारित कराने के लिए भेज देंगे। बहरहाल, चालाक भतीजा का काम हर चौक-चौराहे से लेकर गली-नुक्कड़ तक लगे हरे-हरे होर्डिंग बोर्ड पर दिख रहा है। ट्रांसफॉर्मर से लेकर ईंट की दीवार तक भतीजा अमर होता हुआ दिख रहा है। अब सिर्फ इन्हीं होर्डिंग बोर्ड और गली के मुहानों पर लगे शिलापट की गिनती हो जाए, तो आधा काम हो जाएगा। रह जाएंगी फाइलें, जिसे खंगालने पर अदृश्य कार्य भी दिख सकते हैं।

शास्त्रीनगर में बेरहमी से हुई युवक की पिटाई

पुलिस पर मानवाधिकार के नियमों की धज्जियां उड़ाने का लग रहा आरोप

PHOTON NEWS JSR : कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर रोड नंबर-2 में शनिवार की रात एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इस घटना को लेकर जनता में आक्रोश है। लोग रविवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। लोगों की मांग है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। लोगों का आरोप है कि कदमा थाना पुलिस युवक की बेरहमी से पिटाई कर रही है। जबकि, कदमा थाना प्रभारी का कहना है कि उनकी तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई। ना ही किसी युवक को गिरफ्तार किया गया है। घटना का वायरल वीडियो जमशेदपुर में चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस की वर्दी में दिख रहे जवान युवक को बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं। पहले पुलिसकर्मी युवक को खड़ा कर उसकी पिटाई कर रहे हैं। लाठी-डंडे खाते-खाते युवक सड़क पर गिर जाता है। इसके बाद भी उसे नहीं छोड़ा जाता और उसको जमकर पीटा जा रहा है।

वायरल वीडियो में पिटाई का दृश्य ● फोटोन न्यूज

युवक बचाओ-बचाओ चिल्ला रहा है। लेकिन, पुलिसकर्मी मान नहीं रहे हैं। किसी को भी युवक पर तरस नहीं आ रहा है। इलाके के लोगों का कहना है कि अगर युवक किसी घटना का आरोपी था या उसने कोई गलती की थी तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए थी। उसे थाने ले जाकर जेल भेजना चाहिए था। लोगों का आरोप है कि पुलिस का कोई कार्रवाई नहीं करना बताता है कि युवक की कोई गलती नहीं थी। उसने कोई जुर्म नहीं किया था। उसे बेवजह बेरहमी से पीटा गया है। इस घटना का वीडियो किसी ने अपनी छत से बना लिया है। लोग मांग कर रहे हैं कि एसएसपी पीयूष पांडेय इस घटना का संज्ञान लें। अगर इस घटना में कदमा थाना की पुलिस इंवॉल्व नहीं है तो फिर वह वदीर्धारी कौन है, जो युवक को पीट रहा है। उच्चस्तरीय जांच में पूरे मामले का खुलासा होगा या फिर इस घटना को किसने और क्यों अंजाम दिया। क्या किसी को अब कानून व्यवस्था का खौफ नहीं रहा।

समाचार सार

रोटरी ने एमटीएमएच को सौंपी कैंसर स्क्रीनिंग वैन

JAMSHEDPUR : रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर वेस्ट ने धतकीडीह स्थित मेहरबाई टाटा मेमोरियल अस्पताल (एमटीएमएच) को कैंसर स्क्रीनिंग वैन सौंपी है। एक समारोह में मुख्य अतिथि निवर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (डिस्ट्रिक्ट 3250) बिपिन चाचान ने क्लब की ओर से वैन की चाबी एमटीएमएच के निदेशक को दी। यह वैन ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट के तहत रोटरी फाउंडेशन और आरएसबी फाउंडेशन के सहयोग से प्राप्त की गई है। इसमें नवीनतम कैंसर स्क्रीनिंग उपकरण जैसे- मैमोग्राफी मशीन, ओरल स्कैन और कोलपोस्कोप- स्थापित हैं। इसका उपयोग मुख, स्तन तथा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच के लिए किया जाएगा, विशेषकर उन ग्रामीण इलाकों में जहां स्क्रीनिंग सुविधाओं की कमी है। यह परियोजना रोटेरियन डॉ. अमित मुखर्जी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई थी और वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन अशोक कुमार झा ने इसे पूरा किया।

मारवाड़ी धर्मशाला में 85 यूनिट हुआ रक्तदान

GHATSILA : सोशल वेलफेयर कमेटी, नवाबकोठी घाटशिला के तत्वाधान में रविवार को मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 85 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसमें एक महिला रक्तदाता भी थी। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। शिविर को सफल बनाने में कमेटी, केएसबीएस झारखंड व ब्रह्मानंद ब्लड बैंक के प्रतिनिधि सक्रिय रहे।

द्विजेन षाड़ंगी की प्रतिमा का हुआ अनावरण

BAHRAGORA : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड के पाथरा चौक पर समाजसेवी द्विजेन कुमार षाड़ंगी (कुनु बाबू) की प्रतिमा लगी है। रविवार को इसका अनावरण पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने किया। मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया. मूर्ति अनावरण के बाद अर्जुन मुंडा सहित लोगों ने कुनु बाबू की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि कुनु बाबू एक साइलेंट कर्मी थे। उन्होंने गरीबों और वंचितों की आवाज न्यायालय और समाज में बुलंद की। यहां जुटी विशाल भीड़ इस बात का सबूत है कि कुनु बाबू ने चुपचाप काम करते हुए लोगों के हृदय में अमिट स्थान बनाया। कुनु बाबू का जन्म 10 नवंबर 1951 को हुआ था, जबकि उनका निधन 19 दिसंबर 2022 को हुआ। उन्होंने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के सानिध्य में समाजसेवा के गुर सीखे थे। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अपने पैतृक गांव गन्डानाटा से मुखिया का चुनाव लड़ा और अगले 29 वर्षों तक लगातार मुखिया रहे।

सांसद खेल महोत्सव में बैडमिंटन के खिलाड़ियों ने खूब दिखाया दम

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर स्थित मोहन आहूजा इनडोर स्टेडियम में रविवार को आयोजित सांसद खेल महोत्सव के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता हुई, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। तीन दिनों तक चले इस आयोजन का समापन रविवार को हुआ। इस दौरान सांसद बिद्युत बरण महतो ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

गर्ल्स अंडर-15 में अनुश्का कच्छप ने खिताब जीता, जबकि यशस्वी श्रीवास्तव उपविजेता रहीं। साई सान्वी परिदा और शीफा तीसरे स्थान पर रहीं। गर्ल्स अंडर-19 में सारा शर्मा विजेता बनीं। अनुश्का कच्छप दूसरे, जबकि शिफा और यशवी श्रीवास्तव तीसरे स्थान पर रहीं।

विजेता खिलाड़ियों के साथ सांसद बिद्युत बरण महतो व अन्य ● फोटोन न्यूज

महिला एकल में भी सारा शर्मा ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया। अनुश्का कच्छप उपविजेता रहीं और पायल कुमारी व वैभवी श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। ब्वॉयज अंडर-15 में प्रियांशु कैबार्ता विजेता बने। शुभोदीप मित्रा उपविजेता, जबकि संकल्प कुमार और हमजा अहमद तीसरे स्थान पर रहे। ब्वॉयज अंडर-19 में क्रिश दुबे ने जीत दर्ज की। प्रांशु शॉ दूसरे और सैयद वली हसन तथा नवीन महतो तीसरे स्थान पर रहे। मेंस सिंगल्स में भी क्रिश दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। कीर्तन अग्रवाल उपविजेता रहे, जबकि कुणाल पटेल और संटू शर्मा तीसरे स्थान पर रहे।

संतोष गिलुवा स्मारक फुटबॉल की विजेता बनी अजय ब्रदर्स

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत भरनियां गांव में आदिवासी सरना क्लब के तत्वावधान में आयोजित संतोष गिलुवा स्मारक दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। महिला वर्ग में कुल चार टीमों ने भाग लिया, जिसमें बटरफ्लाई एफसी विजेता और टारगेट एफसी चक्रधरपुर उपविजेता बना। पुरुष वर्ग के फाइनल में अजय ब्रदर्स ने जय मां रोंडाबुरु के बीच मुकाबला हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सन्नी उरांव तथा विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति सदस्य मथुरा गागराई व ग्रामीण मुंडा कमल किशोर गागराई उपस्थित थे।

रिटायर्ड बैंककर्मी से 16.92 लाख की ठगी का आरोपी पाकुड़ से पकड़ाया

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसडीपीओ बहामन टुटी ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र निवासी रिटायर्ड बैंककर्मी परमेश्वर पुरती से लाइफ सर्टिफिकेट अपडेट कराने के नाम पर 16 लाख 92 हजार रुपये की ठगी की गई थी। इस मामले में पुलिस ने मो. इकबाल अहमद (32) नामक एक आरोपी को पाकुड़ के पकुड़िया से गिरफ्तार किया है। इससे पहले 6 दिसंबर को पुलिस ने देवघर से मो. शाकिर अंसारी को गिरफ्तार किया था। इकबाल अहमद पर आरोप है कि उसने साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले एटीएम कार्ड मुहैया कराए थे। एसपी अमित रेणु ने एक विशेष छापामारी टीम गठित की थी, जिसने साइबर टोल फ्री नंबर 1930 पर कॉल कर विवादित अकाउंट को होल्ड कराया और आरोपियों की पहचान की। गिरफ्तार आरोपियों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है और अन्य साइबर अपराधियों के बारे में जानकारी दी है। कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध छापामारी जारी है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीएम पर अभद्र टिप्पणी के बयान से पलटे दुलाल भुइयां

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह में 26 नवंबर को टाटा स्टील यूआईएसएल व जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया था। इसके खिलाफ आंदोलन करने वाले पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर- के मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इस पर झामुमो नेता प्रमोद लाल ने शनिवार को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, तो अब दुलाल भुइयां बयान से पलट गए। दुलाल ने रविवार को कहा कि आरोप गलत है। उन्होंने मुख्यमंत्री को नहीं, बल्कि व्यवस्था को लेकर बयान दिया था। उन्होंने व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए शैतानी हरकत शब्द का प्रयोग किया था, जिसे गलत अर्थ में पेश किया जा रहा है। दुलाल भुइयां के खिलाफ दर्ज शिकायत में झामुमो के केंद्रीय सदस्य प्रमोद लाल ने लिखित आरोप लगाया है कि 28 नवंबर को एक प्रेसवार्ता में दुलाल भुइयां ने मुख्यमंत्री को शैतान सोरेन कह कर संबोधित किया। प्रमोद लाल ने कहा है कि यह टिप्पणी संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है। इससे सामाजिक सद्भाव पर असर पड़ सकता है। इस आरोप में दुलाल भुइयां के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दुलाल भुइयां

गोलमुरी में कुत्ते को बाइक में बांधकर दूर तक घसीटा, एफआईआर

JAMSHEDPUR : गोलमुरी में महुलबेड़ा चौक के पास दो युवकों ने बाइक में जिंदा कुत्ते को बांधकर दूर तक घसीटा है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज रविवार को सामने आया है। फुटेज वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। इस मामले में पुलिस ने विपिन सिंह नामक युवक के आवेदन पर बाइक में कुत्ते को बांधकर घसीटने वाले विवेक यादव और अमित यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। दोनों आरोपी गोलमुरी के बजरंग नगर के रहने वाले हैं। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस मामले से पशु प्रेमियों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि इस घटना में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। फौरन उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें जेल भेजा जाए।

हिंदी साहित्य अकादमी की काव्य संध्या में कवियों ने बिखेरे रंग

PHOTON NEWS JSR : हिंदी साहित्य अकादमी, जमशेदपुर संभाग द्वारा शहर में पहली बार भव्य काव्य संध्या का आयोजन बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन के चित्रकूट कक्ष में किया गया। इसमें शहर के अनेक श्रेष्ठ कवि-कवयित्रियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में हृदयांश राज, सुष्मिता मिश्रा, शुभम पांडेय, रीना सिन्हा, क्षमाश्री दूबे, राजेंद्र राज शाह, वरुण प्रभात, निशांत सिंह, आरती शर्मा, पूनम महानंद, डॉ. सुनीता बेदी, मनीष सिंह वंदन, डॉ. वीणा पांडेय भारती, माधवी उपाध्याय और उपासना सिन्हा ने अपनी-अपनी प्रभावशाली काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंच पर कल्कि, आजादी, अब राम क्या करेंगे, छा गए तुम

कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकार

मानसपटल पर, स्त्री दुर्दशा, जिन्हें हमारा देश नहीं जानता, आदमी अच्छा नहीं हूं मैं जैसी संवेदनशील और विमर्शात्मक रचनाओं का पाठ हुआ, जिन्होंने उपस्थित जनों को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम का संचालन पूनम महानंद और वरुण प्रभात ने किया। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुतियों में डार्क वॉइस की धमाकेदार बीटबॉक्सिंग ने श्रोताओं को झकझोर कर रख दिया, जबकि जय कुमार शाही की कॉमेडी ने ठहाकों पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में अभिभावक के रूप में मंजू ठाकुर, कृष्णा सिन्हा और डॉ. प्रसेनजित तिवारी की सम्मानजनक उपस्थिति रही, जिन्होंने युवा प्रतिभाओं को उत्साहवर्धन प्रदान किया।

हिंदी साहित्य अकादमी का यह प्रथम काव्य आयोजन जमशेदपुर में साहित्यिक चेतना का एक सशक्त आरंभ माना जा रहा है। अकादमी ने भविष्य में भी ऐसे अनेक आयोजन करने का संकल्प लिया, ताकि साहित्य और संस्कृति की यह ज्योति लगातार प्रज्वलित बनी रहे।

संवेदना टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा के अचानक निधन से कॉरपोरेट जगत सहित पूरे शहर में शोक की लहर

जमशेदपुर की खूबसूरती के लिए हमेशा याद किए जाएंगे ऋतुराज

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा का रविवार को अचानक निधन हो गया। लगभग 55 वर्ष की आयु में उनके इस असामयिक निधन से उद्योग जगत, टाटा स्टील और जमशेदपुर शहर में शोक की लहर है। ऋतुराज सिन्हा के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि ऋतुराज सिन्हा जमशेदपुर के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा चिंतित और सजग रहते थे। मिलनसार व्यक्तित्व के धनी ऋतुराज सिन्हा ने हमेशा शहर के विकास को प्राथमिकता दी। उनका यूं असमय चले जाना टाटा स्टील एवं पूरे शहर के लिए बहुत बड़ी क्षति है। कहा कि जमशेदपुर एवं टाटा स्टील ने एक दूरदर्शी अधिकारी को खो दिया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा के शांति की प्रार्थना की है।

इस दुखद घटना से टाटा स्टील परिवार और पूरे कॉरपोरेट जगत में शोक की लहर है। मिलनसार और मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी ऋतुराज सिन्हा को उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के कारण टाटा स्टील सहित कई कंपनियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई थीं। जमशेदपुर में उनके नेतृत्व में नई नागरिक सुविधाओं और विकासात्मक परियोजनाओं की शुरूआत हुई, जिसने शहर को नए आयाम दिए।

वे हाल ही में एक महीने के इलाज के बाद काम पर लौटे थे। उनके अचानक चले जाने से सभी स्तब्ध हैं। टाटा स्टील के अधिकारी, टाटा वर्कर्स यूनियन और टाटा स्टील यूटिलिटीज यूनियन के प्रतिनिधि, परिजन निधन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में टाटा मुख्य अस्पताल पहुंचे और शोक जताया।

टीएमएच पहुंचे लोग व इनसेट में ऋतुराज सिन्हा की फाइल फोटो

उनकी प्रतिबद्धता व सेवा निष्ठा अतुलनीय : पूर्णिमा साहू

टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा के आकस्मिक निधन पर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ऋतुराज सिन्हा का असमय निधन अत्यंत दुःखद और स्तब्ध करने वाला है। विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया कि कुछ दिनों पहले ही उनसे बातचीत हुई थी। शहर के विकास कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जिस सहयोगात्मक भाव से वे काम करते थे, उसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी कई समस्याओं को लेकर विभिन्न अवसरों पर उनसे भेंट हुई। कई समस्याओं के समाधान को लेकर उनका सकारात्मक और सक्रिय सहयोग मिला। जिससे क्षेत्र की जनता को प्रत्यक्ष रूप से लाभ हुआ। प्रभु दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवारजनों को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करें।

शहर में सुधार के प्रयासों को झटका

जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने एमडी ऋतुराज सिन्हा के आकस्मिक निधन को 'दुःखद एवं मर्मांतक' बताया है। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि उनसे अभी काफी उम्मीदें थीं। इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के साथ वे एक कुशल प्रबंधक और जमशेदपुर की जनसुविधा जरूरतों के पर्याय थे। उनके नहीं रहने से शहर में सुधार के प्रयासों को बड़ा धक्का लगा है। ऋतुराज सिन्हा के निधन ने न केवल टाटा स्टील परिवार, बल्कि पूरे शहर को गहरे शोक में डुबो दिया है।

आज सोनारी में होगी श्रद्धांजलि सभा

टाटा स्टील यूटिलिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पूर्व में जुस्को) के एमडी ऋतुराज सिन्हा के निधन पर वरिष्ठ नागरिक सह मॉर्निंग वॉकर्स ग्रुप द्वारा सोमवार को सुबह 6.15 बजे कदमा-सोनारी लिंक रोड गोलचक्कर के समीप श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा।

सामाजिक व उद्योग जगत के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व : डीसी

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सिन्हा सामाजिक कार्य एवं उद्योग जगत में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तित्व थे। उपायुक्त ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं संतप्त परिवारजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

ऋतुराज सिन्हा का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति : काले

समाजसेवी व भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ऋतुराज सिन्हा का जाना शहर के लिए अपूरणीय क्षति है। इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से आने वाले ऋतुराज सिन्हा जी ने जमशेदपुर की जनसुविधाओं में सुधार और विकास को नई दिशा देने के लिए निरंतर कार्य किया। उनकी दूरदृष्टि, संवेदनशीलता और प्रशासनिक क्षमता के कारण शहर को उनसे कई उम्मीदें थीं, जिसे गहरा धक्का लगा है, वे जमशेदपुर की आवश्यकताओं, जनकल्याण और आधुनिक सुविधाओं के सुदृढ़ विस्तार के पर्याय बन चुके थे।

विनम्र, कर्मठ व दूरदर्शी थे ऋतुराज सिन्हा : मूनका

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के निवर्तमान अध्यक्ष एवं झारखंड फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (कोल्हान) श्रेयज आनंद मूनका ने कहा कि ऋतुराज सिन्हा के जाने से समाज को भी एक विनम्र, कर्मठ एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व की अपूरणीय क्षति हुई है। उनके साथ पिछले लगभग 20 वर्षों का गहरा संबंध रहा, वे सदैव सहयोगी, सहज उपलब्ध रहने वाले व्यक्ति थे।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हरदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

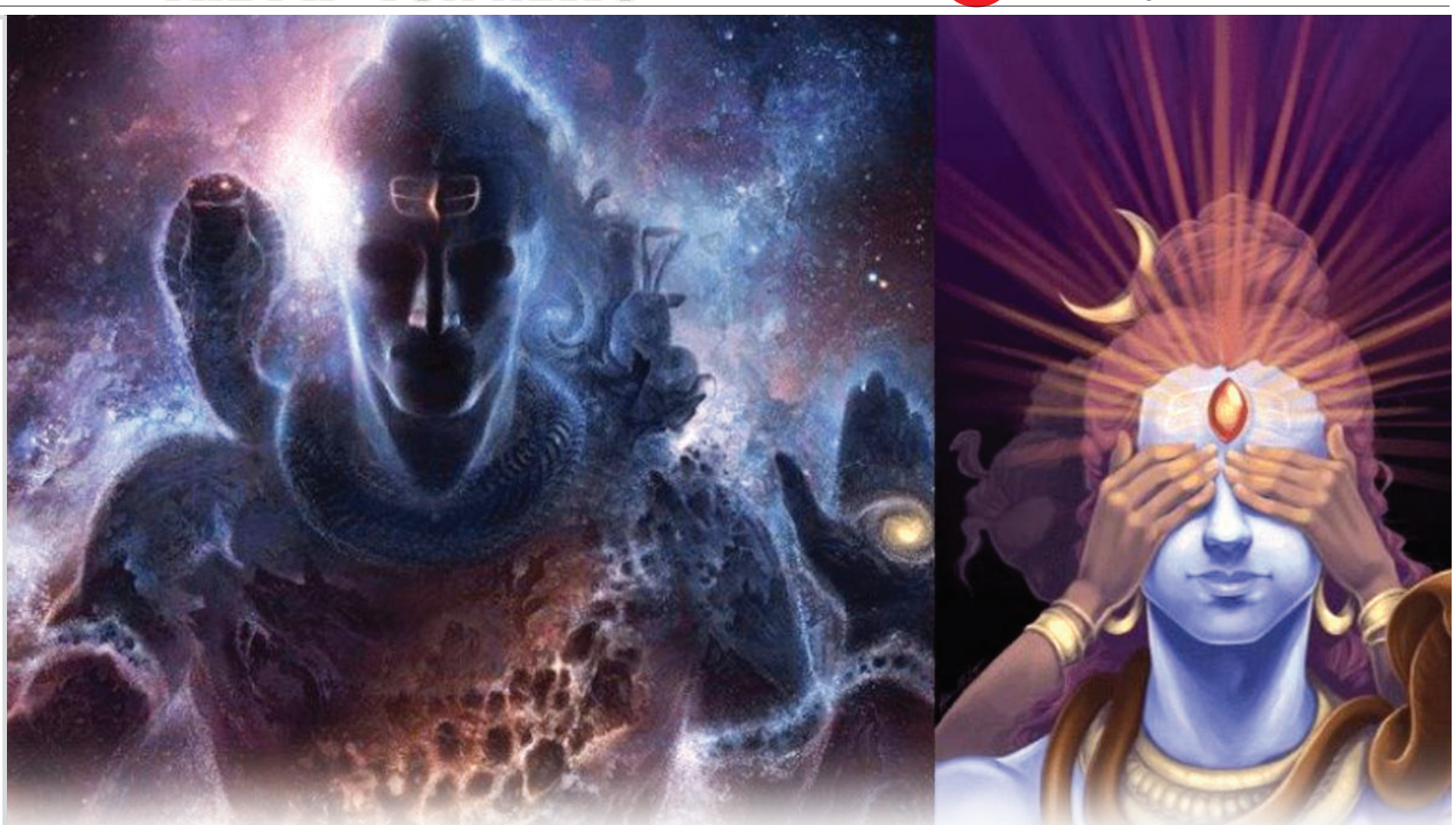

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

क्यों हो रहा है भारतीय रुपए का अवमूल्यन

प्रहलाद सबनानी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है।

माह जनवरी 2025 में भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 85.79 रुपया प्रति अमेरिकी डॉलर था। 3 दिसम्बर 2025 को रुपए का बाजार मूल्य लगभग 5 प्रतिशत घटकर 90.19 रुपया प्रति डॉलर हो गया। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए का बाजार मूल्य लगातार गिर रहा है और हाल ही के समय में रुपए के बाजार मूल्य में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर पिछली 8 तिमाहियों में सबसे अधिक रिकार्ड 8.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है तथा खुदरा मुद्रा स्फीति की दर 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। भारत में वृहद अर्थव्यवस्था के विभिन्न मानदंडो के मजबूत बने रहने के बावजूद एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे तेज गति से गिरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है। भारत से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर तो 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है, जिसके चलते भारत से कुछ उत्पादों यथा, रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि उत्पाद, लेदर उत्पाद, समुद्री जीवों का उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी आदि के अमेरिका को होने वाले निर्यात विपरीत रूप से प्रभावित हो रहे हैं एवं इससे भारत को अमेरिकी डॉलर का अंतरप्रवाह कम हो रहा है और व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज हो रही है। पिछली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि निर्यात केवल 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार, 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ है। अक्टोबर 2025 माह में भी भारत का विदेशी व्यापार घाटा 4,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर के ऊपर रहा है। यह, भारत के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती है। इससे, भारत में चूंकि अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ रही है अतः भारतीय रुपए के मूल्य पर दबाव बढ़ रहा है।

दूसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में पूर्व में किए गए अपने निवेश पर लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से एवं अपने निवेश को तेजी से उभर रहे अन्य देशों के शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से, पिछले कुछ समय से, भारतीय पूंजी बाजार से लगातार अपने निवेश को निकाल रहे हैं। वर्ष 2025 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.48 लाख करोड़ रुपए (1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर) मूल्य की निकासी की है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निवेश की निकासे के चलते भी भारतीय रुपए पर दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, क्योंकि वे भारत में अमेरिकी डॉलर में किए गए अपने निवेश को अमेरिकी डॉलर में ही निकाल रहे हैं और इससे अमेरिकी डॉलर की कीमत (मांग) बढ़ रही है तथा रुपए की कीमत गिर रही है। वैसे तो सामान्यतः अंतरराष्ट्रीय बाजार में किसी भी देश द्वारा अपनी मुद्रा के मजबूत बने रहने की कामना की जाती है क्योंकि इससे मुद्रा बाजार में स्थिरता बनी रहती है एवं विदेशी निवेशक अमेरिकी डॉलर में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार पक्का करते हैं। परंतु, इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय बाजार में यदि किसी देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है तो उस देश में आयात होने वाले उत्पादों की कीमत महंगी हो जाती है। परंतु, इससे देश के निर्यातकों को जरूर लाभ होता है क्योंकि अमेरिकी डॉलर के एवज में उन्हें अधिक स्थानीय मुद्रा की प्राप्ति होती है। इस सिद्धांत के अनुसार ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूपए की कीमत के गिरने से भारत द्वारा अन्य देशों से किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों के आयातित उत्पाद भारतीय बाजारों में भी महंगे हो सकते हैं इस प्रकार अन्य देशों से मुद्रा स्फीति का आयात भारत में होने लग सकता है। उदाहरण के लिए भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात की कीमत, भारतीय रुपए के अवमूल्यन के चलते, यदि बढ़ जाती है तो इससे भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी बढ़ जाएगी क्योंकि भारत में अब कच्चे तेल का आयात उंची दरों पर हो रहा होगा। इसके ठीक विपरीत, भारत के निर्यातकों को अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी डॉलर के एवज में अधिक रुपए की प्राप्ति होने लगेगी, इससे उन्हें अधिक लाभ होने की सम्भावना बढ़ जाएगा। इन परिस्थितियों के बीच, सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रुपए के मूल्य में तेज गति से हो रहे अवमूल्यन को रोकने की दृष्टि से अमेरिकी डॉलर की बाजार में उपलब्धता बढ़ाते हुए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया जाता है। मध्य सितम्बर 2025 की अवधि तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर बाजार में उपलब्ध कराए थे। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर विदेशी व्यापार में निर्मित हुई अस्थिरता की स्थिति से भारतीय निर्यातकों को बचाने की दृष्टि से भी भारतीय रुपए का अवमूल्यन होने दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के हो रहे अवमूल्यन के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले विपरीत प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने के उद्देश्य से भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेश मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक जब भी चाहे इस विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करते हुए भारतीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। परंतु, यदि लम्बी अवधि की दृष्टि से देखा जाय तो भारत को विभिन्न उत्पादों के आयात घटाकर, विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि करते हुए अपने विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। भारत में मुख्य रूप से कच्चा तेल एवं स्वर्ण का सबसे अधिक आयात किया जाता है। कच्चे तेल के आयात को कम करने हेतु एवं अपनी ऊर्जा की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु भारत को नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन ऊर्जा) के उत्पादन को बढ़ाना ही होगा। केंद्र सरकार इस संदर्भ में बहुत प्रयास कर रही है एवं अपनी ऊर्जा की जरूरतों को, विंड पावर एवं सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि करते हुए, पूरा करने के प्रयास कर रही है। इसमें बहुत अच्छी सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, स्वर्ण के उत्पादन को भारत में ही बढ़ाकर इसके आयात को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही, भारत विभिन्न उत्पादों की लागत को कम कर देश में निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बना सकता है। इसके लिए, भारत में ही कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक होगा, ताकि कच्चे माल के आयात को कम किया जा सके। ब्याज दरों को कम करते हुए पूंजी की लागत को कम करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 5 दिसम्बर 2025 को घोषित अपनी मुद्रा नीति (मोनेटरी पॉलिसी) में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, दिनांक 21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद भारतीय श्रमिकों की उत्पादकता में वृद्धि दर्ज होगी जिससे भारत में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत कम होकर इनके वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनने की सम्भावना प्रबल होगी।

भारत के विदेशी मुद्रा भुगतान संतुलन को उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा भी दिया जाना चाहिए। जिससे, विदेशी पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन के लिए आकर्षित हों एवं भारत को विदेशी मुद्रा की उपलब्धता बढ़े। केंद्र सरकार देश में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से विभिन्न मंदिरों के आसपास मूलभूत/आधारभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की ओर विशेष ध्यान दे रही है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर का निर्माण कर पूरे अयोध्या नगर में आधारभूत सुविधाओं की दृष्टि से आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। इसी प्रकार, वाराणसी, माता वैष्णोदेवी मंदिर, उज्जैन, प्रयागराज, गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ आदि नगरों में आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिससे इन नगरों में श्रद्धालुओं (विदेशी पर्यटकों सहित) की संख्या में अपार वृद्धि दृष्टिगोचर है।

कुल मिलाकर कभी कभी वैश्विक परिस्थितियों बीच कई देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन होने देते हैं और यह कदम अंततः लम्बी अवधि में देश हित में ही माना जाता है।

संपादकीय

पंजाब का जल संकट

निस्संदेह, पंजाब इन दिनों दोहरे जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर जहां अंधाधुंध भू-गर्भीय जल के दोहन से उसका जलस्तर गिर रहा है, वहीं कीटनाशकों व रासायनिक खादों के बेतहाशा इस्तेमाल से पानी जहरीला होता जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय भूजल बोर्ड यानी सीजीडब्ल्यूबी के नवीनतम आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। संस्था के नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि पंजाब 156.36 फीसदी भूजल दोहन के साथ इसके अत्यधिक इस्तेमाल में देशभर में अग्रणी है। जो इस बात को रेखांकित करता है कि पंजाब में इसके जलस्रोतों का कितने खतरनाक ढंग से अत्यधिक दोहन किया जा चुका है। लेकिन यह संकट यही समाप्त नहीं हो जाता। इस संकट से जुड़ी त्रासदी यह भी है कि सीजीडब्ल्यूबी की नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 बताती है कि पंजाब में परीक्षण किए गए भूजल के 62.5 फीसदी नमूनों में यूरेनियम सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक मात्रा में पाया गया है। निश्चित रूप से भू-गर्भीय जल के अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट में गहरा संबंध है। दरअसल, अत्यधिक भूजल दोहन से पानी का स्तर नीचे चला जाता है, जिसके चलते गहरे बोरवेल लगाने पड़ते हैं। जो भूगर्भीय रूप से अस्थिर, खनिज-समृद्ध परतों से पानी खींचते हैं। जो अक्सर यूरेनियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट या लवणता से भरी होती हैं। इसके साथ ही, दशकों से चली आ रही सघन कृषि, अधिक सिंचाई वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिये भारी मात्रा में सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत होती है। जिसके चलते भूजल व मिट्टी दोनों ही में प्रदूषकों का रिसाव तेज हो जाता है। इस भयावह संकट को पिछले दिनों राज्यसभा में राजनीतिक आवाज तब मिली, जब सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में विषाक्त जल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने चेताया था कि भारी धातुओं और रेडियोधर्मी प्रदूषकों वाला पानी आम लोगों के स्वास्थ्य पर घातक असर डाल रहा है। ऐसा करके उन्होंने देश के नीति नियंताओं को आईना दिखाने का प्रयास ही किया है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस चिंता को अभिव्यक्त करके, पर्यावरणीय आंकड़ों के जरिये लंबे समय से दिए जा रहे संकेतों को स्पष्ट रूप से उजागर ही किया है। हमें इस बात का अहसास होना चाहिए कि यह अब कोई दूरगामी पर्यावरणीय चिंता नहीं बल्कि हमारे सामने एक उभरती हुई जन-स्वास्थ्य की आपात स्थिति ही है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का आनंद लेकर खुश रहें

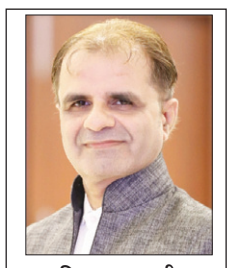

किशन भावनानी

मानव जीवन रूपी गाड़ी के सुख और दुख, खुशी और गम रुपी दो ऐसे पहिए हैं जिसके बगैर जीवन रूपी गाड़ी चलना मुश्किल है, क्योंकि ऊपर वाले ने सृष्टि में मानव जीवन की रचना कर सफलताओं और सहायता के लिए ही यह दोनों पहियों को मानव जीवन में संचारित किए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि खुशी मनीषियों के अहंकार, अहम, अभिमान से अलंकृत होने का न्योता भी साथ-साथ देती है तो गम मनीषियों को सबक, सीख, नम्रता, सद्भाव सीखने का न्योता देता है, याने जीवन के दोनों पहियों से मानव को कौशलता से सीखने की जरूरत है।जब दोनों पहियों रूपी परिस्थितियों में मानव खुशरंग जीवन जीने की कला अपनी कौशलता से सीख लेगा तो अपने जीवन की गाड़ी को सफलता से अपने ऊंचे मानवीय सकारात्मक स्तरों को छू लेगा और मनुष्य जीवन के लिए एक मिसाल कायम कर अपना, अपने कुल और राष्ट्र का नाम ऊंचा करने का सामर्थ प्राप्त करेगा क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम जीवन के एक पहिए खुशी की करें तो खुशियों को हम खुद अपनी कौशलता से अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों में ढूंढ कर खुशी का आनंद ले कर खुश रह सकते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर, खुशी का इजहार कर अपने कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित कर मानवता धर्म को अदा कर ही सकते हैं। हम अगर सृष्टि में देखें तो कैसे कांटो के बीच भी गुलाब का फूल शिद्दत से खिलता मुस्कुराता रहता है, बस !यह तो हमारे लिए बहुत बड़ी सीख की ओर इशारा है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन के पलों पर जमाने छिटाकशी की करें तो हमने1974 में आई हिंदी फिल्म अमर प्रेम का गाना,, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातें, सुनें होंगे इसलिए हमें चाहिए कि दूसरों की तारीफों का मोहताज नहीं बनकर अपने कार्य का स्वयं मूल्यांकन कर अच्छे कार्य पर स्वयं गर्व कर खुश रहें, और क्या विपरीत, क्या गलत हुआ उसका स्वतः संज्ञान लेकर उसमें सुधारात्मक उपाय करने पर भी खुशी का एहसास करना होगा, क्योंकि हमने अपने जीवन की कमी को ढूंढ कर उसे सुधारात्मक उपाय से सुधार कर आगे बढ़े यह भी एक खुशी की बात है!!हर कमी में सुकून, सकारात्मकता और खुशी ढूंढ लोगों के साथ खुशियों को साझा करें, दूसरों की खुशियों में भी खुश रहें, मन में सुकून ग्रहण करने की आदत अपनाएं

साथियों बात अगर हम जीवन के हमारे दुख रूपी पहिए की करें तो हम हमारे जीवन के दुख के क्षणों में हमें अपने को ऊपर कर अपनी आंखें अपने से नीचे झुकाकर देखना चाहिए कि हमारे से ज्यादा अधिक दुःखी कितने मनीषी जीव हैं और हृदय, मस्तिष्क में यह बात संचारित करें कि इनसे तो हम हमारे दुख बहुत छोटे हैं याने हम दुखों में भी अपनी खुशी ढूंढ तो बस,फिर क्या,जीवन की गाड़ी के दोनों पहियों में हमारे हृदय की सकारात्मक भावना को संचारित करें तो हम पाएंगे कि हमसे ज्यादा कोई खुश है ही नहीं।

साथियों बात अगर हम जीवन की छोटी-छोटी बातों की करें तो उसमें हमें ढेर सारी खुशियां मिल सकती है मसलन अपनी तुलना किसी से ना करें, हमेशा सकारात्मक पहलू पर ध्यान दें, लोगों के साथ खुशियों को बांटे, वह कार्य करें जिसमें खुशियां मिले, जो खुश रहते हैं ऐसे लोगों से मिलिए, आत्मविश्वास से भरपूर रहे, मनपसंद किताबें पढ़ें, समस्या है तो समाधान सोचे, कुछ स्पेशल और अच्छा सोचें, हमेशा चेहरे पर मुस्कान रखें, पुरानी अच्छी बातों को याद रखें, मन को बच्चे जैसा साफ रखें, अपने परिवार व बच्चों के साथ समय बिताएं, प्यार पाने को प्यार करना सीखे, छोटी-छोटी सफलताओं पर खुशियां मनाएं, 6 से 8 घंटे नींद पूरी लें इत्यादि अनेक बातों पर ध्यान देने और अपनाने की कोशिश करें तो खुशियों का एहसास आपको जरूर नजर आएगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को खुश रखने की करें तो, आप स्वयं ही अपने आपको प्रसन्न कर सकते हैं। प्रसन्नता कोई अपने आप आने वाली चीज नहीं है। इसके लिए आपको लगातार कोशिश करनी होगी। जब आपको दूसरों की खुशी में ही खुशी मिलने लगेगी तो आप खुशी के भीतर छिपा राज जान लेंगे। याद रखें कि खुशी हमेशा किसी वस्तु की इच्छा, प्रशंसा या कुछ करने में नहीं होती। जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाशें और मानकर चलें कि आप प्रसन्न हैं। कोई भी अपना मनपसंद काम करके खुशी पा सकता है। यदि आप मनचाहा काम करने जा रहे हों तो आपको सच्ची प्रसन्नता मिलती है। कुछ रचनात्मक कार्य करें, बेकार व्यक्ति कभी भी खुशी नहीं पा सकता। अपनी इच्छाएं सीमित करके अपने साधनों से संतुष्ट रहने में ही सच्ची खुशी छिपी है। जो लोग कुछ नहीं कर सकते उनके पास काम ही नहीं होता।

बदलती दुनिया में भारतझरूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फामेर्सी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Adding life to years, not just years to life

Life expectancy has been increasing globally over the last century due to a combination of improved social conditions and rapid scientific advances. The former improved sanitation, nutrition, education, and economic security, while providing safer dwellings, transport and lowering crime. The latter provided a deeper understanding of the human body's structure and functions, identified causal agents and mechanistic pathways of disease, and accelerated the development of medical technologies like vaccines, drugs, and devices. The spurt in knowledge creation and translation greatly amplified our ability to protect ourselves against a variety of disorders through prevention or cure.While increased life expectancy (LE) has been a cause for celebration, preoccupation with lengthening human life has made us less attentive to the quality of life, functionality, and wellbeing across the life course. The gap between LE and healthy life expectancy (HLE) has been around 10 years in India over the past three decades. A similar pattern is seen in many other countries. Sadly, the gap between LE and HLE is wider among women than men. Women's biological advantage of longer LE is dissipated by adverse social conditions and neglect by the health system.Lack of attention to quality of life, encompassing functionality and wellbeing, has been due to difficulty in arriving at globally acceptable definitions and finding widely-accepted quantifiable measures. Economists and social scientists to public health researchers and policymakers have been challenged by disagreements in defining and measuring the 'soft' attributes of health. They are far more comfortable with measuring death as an easily identifiable end point and estimating the years of life saved by an intervention.

It is often said that 'what gets measured gets done'. What is left unsaid is that 'what is easy to measure gets measured often'. That metric then gets embedded in policy for determining resource allocation for health programmes and becomes the acid test for their monitoring and evaluation. The cycle perpetuates itself in health policies, with 'how many lives will be saved' being the only question asked, while the question 'how many lives will be improved' by an intervention seldom guides resource allocation.Attempts have been made to incorporate preserved quality of a healthy life, or its converse—'disability' associated with disease or injury—into health metrics. Disability-adjusted life years (DALY) is a summative measure of the years of life lost due to premature mortality from a health disorder, as compared to the life expectancy of a 'standard' population, and years lived with disability caused by that disorder.To ensure comparability across health conditions, the degree of disability is graded for each condition. Weights attached for grading the severity of disability are generated from expert assignments and opinion surveys conducted in a general population. Views of persons with lived experience of the specific disorder were not ascertained because of an apprehension of biased estimates. As one critic of this method commented, "Imagine only men grading the severity of labour pain!"Quality-adjusted life year is another measure. It estimates the number of life years affected by disease or injury related decrement in the desired quality of life (QOL). A number of research instruments emerged for measuring such perceived reduction in quality. They have not always been reproducible across populations.

The Russia hand

THE GREAT GAME: India's message of multipolarity — or non-alignment — was clear to see during Putin's visit

WHEN all the dust is settled and the conches blown and the embraces imprinted on the timeframe of history, one little exchange will symbolise the just-concluded summit between Prime Minister Narendra Modi and Russian President Vladimir Putin — a photo that shows the PM gifting a copy of the Bhagavad Gita, in Russian, to the President.So what, you may ask, dear Reader. But look closer. The Russian smiles, half-quizzically, as he receives the book. The PM's glance is more patient and comes with several embedded messages — the age-old civilisational teachings of the Gita; the message from the Kurukshetra battlefield about fighting a just war; the implied comment on Putin's own three-year-old escapade in Ukraine; and the message to all the Western world curiously watching India's red-carpet welcome to a man who continues to be severely sanctioned by them, that India remains on the side of peace, a "not neutral" party in the Ukraine conflict.

After a long time, this week it seemed as if India had come into its own. In the wake of the Trump battering that India has received these last few months (over trade, the US President's insistence that he brokered the end of Op Sindoor, and Field Marshal Asim Munir's red-carpet welcome at the White House), Modi must have decided that enough was enough and that it was time to show some spine.The invitation to Putin was overdue — the Russian last came four years ago. Modi decided to throw him a warm welcome not just because Trump is romancing Asim Munir, or because the India-US trade deal is experiencing a prolonged agri-hiccup, or because India's energy import bill is $55 billion out of the $64 billion India-Russia bilateral trade — but because of the fundamental lesson in geopolitics. There are no permanent friends or enemies, only permanent interests.

There can be no better example than the Ukraine crisis. The US is sanctioning Putin's Russia — including four Russian companies which supply energy to India — but Trump as well as his aides have repeatedly met Putin to try and resolve the conflict. The Russian President, meanwhile, has stuck to his guns; he has spent the last three years fighting not just the Ukrainians — but also the Europeans and the Americans who have funded the Ukrainians — for the right to occupy Russian-speaking territories, such as the Donbas, in Ukraine.

That is the second lesson in geopolitics — that it is possible to stand up to powerful opponents, as long as you have the strength to do so.Modi knows that big powers — the Chinese, the Americans and the Russians — have this uncanny ability to shed the high moral ground when they want their way. He realises that for India to take a leaf out of their book, it must build its economic strength. How to do that when the rupee is falling against the dollar and has lost half its value in the last 15 years, a large part of which period Modi has been in power?

The problem is that Delhi is significantly dependent on the US market, which is why it needs a sympathetic trade deal; on the Chinese market, which sells quality goods for less money than any other country in the world, which is why the $100 billion bilateral trade is hugely in China's favour; and on the Russian market, on which India depends hugely to supply cheap energy, which is what keeps the wheels of India's economy functioning far more smoothly than if it had to buy oil at international rates.Why not, then, talk to all sides and build meaningful relations with each. Multipolarity. Non-alignment. Call it what you will.That's why Modi broke protocol to receive Putin in the evening cold when Putin's plane landed at Delhi's Palam airport on Thursday. The two leaders together watched Indian dancers welcome the Russian President and drove home for dinner. Significantly, no agreements have been signed between the two sides, only memoranda of understanding — a good signal to nervous Western democracies, especially those from the European Union who are showing up as chief guests for India's Republic Day ceremonies next month, that India won't succumb to a Russian alliance even if it desperately needs Moscow's oil.So there's no Hindi-Russi bhai-bhai sloganeering — that sounds too much like the bad or good, old days, depending on what side you're on. Instead, there's lots of rhetoric about a strategic revamp, just not at the cost of any other relationship.Clearly, Putin understands Modi's America problem. He knows India needs a trade deal with the US. If Delhi can allay US anxiety over its relationship with Russia, it might even be able to tempt Trump to come to India sometime next year. Especially if a US-Russia deal over Ukraine can, in the meantime, be sealed. Even if Trump has committed to going to China next April.

In this brave, new mixed-up world in which big powers carry large imprints, smaller powers like India must learn to negotiate, sidestep, circumvent and broker. It's what India has done since the early, tough days after Independence, when it refused to succumb to the false gods that tempted Delhi with one alliance.

This ability to play all sides — not just one, namely the US, which Delhi had set its heart on in the past few years — works for India not just because it is a smaller power, but an ancient one. It has the ability to preach the high moral ground but practise saam, daam, dand, bhed, a daily statecraft that combines persuasion with bribery, punishment with division.Modi understands that for India to be counted, it must demonstrate economic strength. That it must take to heart the old comrade, Deng Xiaoping's fully capitalist slogan, and make it a central tenet of its own mixed economy. That it doesn't matter what the colour of the cat is, as long as it catches the mice.That's why the Putin visit is important to both Modi and Putin. It allows the Russian President to tell the world that despite all the Western sanctions, Russia is not isolated — Putin needs to thank Modi for that. Equally important, the India visit allowed Putin to send a message to his good friend, Chinese President Xi Jinping, that there are other flowers blooming in Mao's "let a hundred flowers bloom" garden — India.That's why, after a long time this week it seemed as if India had come into its own. PM Modi greeted the Russian President with the familiarity of an old friend, but kept an eye out for the other friends in the room. The message of multipolarity — or non-alignment — was clear to see.

Congress failed to foresee Mamkootathil reckoning

The leadership waited for the MLA's suspension until a Thiruvananthapuram court denied him anticipatory bail, noting prima facie evidence of serious offences

The Congress in Kerala has finally expelled its disgraced MLA, Rahul Mamkootathil—an action taken only after every other option had collapsed. The young legislator from Palakkad, now absconding, faces grave allegations of rape, sexual harassment, and other serious offences. That the party acted at all may look stern and decisive, but the truth is uncomfortable: this decision should have come the moment credible complaints surfaced, not at the tail end of a crisis.

What should have guided the Congress leadership is not electoral calculus, but the seriousness of the accusations and the repeated red flags raised by women in the party. Instead, the leadership allowed the matter to fester. By shielding Mamkootathil and allowing him to operate as usual—even after multiple allegations of sexual misconduct came to light—the party ended up signalling that political convenience mattered more than institutional integrity. That failure has now compounded the damage, giving rivals the space to craft narratives during an ongoing local body election season and possibly affecting the assembly polls due in four months.

The Congress has only itself to blame. For months, complaints—some informal, others detailed—were brushed aside. Even when the party suspended Mamkootathil in August, it did so reluctantly, insisting that no further action was possible without a formal complaint, even as a powerful faction continued to shield him. The MLA remained active in party events, and little changed for him or his patrons.The reluctance persisted even after the police booked him for rape and forced abortion. A second woman's detailed complaint finally sharpened the internal demands for expulsion. Yet, the leadership waited until a Thiruvananthapuram court denied him anticipatory bail noting prima facie evidence of serious offences. To project moral high ground now is, therefore, unconvincing.The Congress leadership in Kerala not only mishandled a grave matter of sexual misconduct, but also allowed political considerations to eclipse basic responsibility. In doing so, it has weakened its standing and handed its rivals an avoidable advantage. The reckoning was inevitable; the lack of foresight and firmness were not.

IndiGo meltdown has exposed a harsh truth: Passengers absorb damage while companies walk away

Regulations meant to protect passengers have instead become a catalyst for passenger suffering. But let's be clear: The rules are not the problem. The revised Flight Duty Time Limitations (FDTL) were announced well in advance

Picture a little girl asleep on a luggage trolley, her teddy tucked under her arm, airport lights too bright for midnight. Her flight was cancelled without warning. A few feet away, an elderly couple sits on a hard floor, exhaustion visible in their posture. Their medication is in a checked-in suitcase they can't retrieve. A young woman stands alone, shoulders shaking silently, drafting an apology email to a new employer, she will not make her first day because the flight she paid for simply disappeared. These are not scenes from a disaster movie. This is India's aviation reality today.IndiGo, the airline that controls India's domestic skies, has left thousands stranded as its network collapses under new pilot fatigue rules. The irony is painful: Regulations meant to protect passengers have instead become a catalyst for passenger suffering.But let's be clear: The rules are not the problem. The revised Flight Duty Time Limitations (FDTL) were announced well in advance, aimed at reducing pilot fatigue that can lead to deadly mistakes. Airlines had more than a year to prepare: Recruit, rebalance schedules, strengthen operations.A phased rollout gave Indigo even more time: First July 2025, then full enforcement from November 2025. Yet when the day arrived, IndiGo's network collapsed. Instead of readiness, there was chaos. Instead of accountability, there were excuses. It is not just pilot fatigue but passenger safety too.And what do passengers receive?A one-line message: "A refund has been processed." Refund? To parents who booked emergency flights for a medical procedure? To travelers who paid 300 per cent higher prices for last-minute alternatives? To a student whose college admission or visa slot is now gone? A refund returns only the money you gave. A cancellation steals the life you planned.The true cost of a failed flight cannot be measured in rupees — a job opportunity that won't come again, a lost chance at treatment or recovery, or a family milestone left behind.Passengers are not containers to be moved around, they are humans with lives that function on time, commitment, and care. The Indigo crisis is avoidable corporate negligence from a company that knows it is too big to be ignored. India is building world-class airports, expanding fleets, celebrating aviation growth. But true progress is measured not by how many planes take off, but by how airlines treat the people who board them.IndiGo's meltdown has exposed a harsh truth: In our current system, passengers absorb the damage while companies walk away.

MF Equity Investments Double In November To Rs 43,465 Crore

New Delhi.(Agency)

Mutual funds sharply increased their equity purchases in November, riding on a steady rise in investor inflows and improving market sentiment. According to data sourced from SEBI, MFs invested a net Rs 43,465 crore in equities last month -- more than double the Rs 20,718 crore they pumped in during October.Market data shows that fund houses were consistent buyers through almost the entire month, stepping back only on two days when they pulled out Rs 2,473 crore.The strong and steady buying interest from mutual funds helped lift overall market mood and contributed to the rise in benchmark indices.While equity inflows surged, mutual funds turned significant sellers in the debt segment.Net outflows from debt funds shot up to Rs 72,201 crore in November, compared with Rs 12,771 crore in October.The strong domestic investment trend comes at a time when the industry has already been witnessing robust participation from retail investors through systematic investment plans (SIPs).In October, SIP inflows hit an all-time high of Rs 29,529 crore, rising from Rs 29,361 crore in September, as per data from the Association of Mutual Funds in India (AMFI).Industry experts say this steady flow of money, especially into SIPs -- reflects disciplined investor behaviour despite short-term market volatility.They believe such consistent contributions have helped expand the industry's total assets under management and continue to provide crucial support to equity markets.Analysts also note that while confidence in equities remains strong, some investors are gradually diversifying towards debt-oriented schemes and gold, given the uncertain global environment.

The trend points to a maturing investor base that balances long-term wealth-building strategies with risk management, even as mutual funds continue to play a key role in supporting the equity market's upward momentum.

Deloitte to launch AI platform 'Tax Pragya' for faster client insights

New Delhi.(Agency)

Deloitte will this week launch an AI-powered platform 'Tax Pragya' to make tax research and insights accessible to its clients faster, a company official said on Sunday.Deloitte India Partner Sumit Singhania said Tax Pragya, which is set to be launched on December 9, has been built with direct and indirect tax-related data on over a million court cases and Deloitte's knowledge solution papers so that access to the insights is quicker and accurate.

Tax analysts currently have to spend hours doing research on various court judgments before giving their feedback to clients. Tax Pragya will convert that time to just a few minutes and provide solutions from Deloitte's privately curated database, and not open source data. "Tax Pragya is an AI-powered tax, research and insight platform. It is enriched with two decades of Deloitte tax knowledge, perspective and jurisprudence. The goal is to move from a knowledge-intensive platform to an insightful platform. It's an agentic solution where we amplify the research, make it more meaningful, which can be readily used," Singhania told PTI.

Singhania said TaxPragya will offer almost real-time data on the announcements made in the Budget and make available the changes in the income tax law before it is implemented from April 1.Tax Pragya will be a B2B subscription-based platform, which will not replace the tax consultants, but only ease the process of tax research by making it faster, he added."The vision that we have is, in the next 12-18 months, Tax Pragya should develop in a way that it can write some legal or tax opinions. It should give a predictive analysis of a tax notice, whether a taxpayer should litigate a notice or not.

Ceat aims to boost global presence, developing tyres for different markets

New Delhi.(Agency)

Tyre maker Ceat is developing tyres for various global markets as it aims to expand its exports to regions like Europe and US with plans to establish itself as a global brand, according to RPG Group Vice Chairman Anant Goenka.The RPG Group firm garners around 20 per cent of its revenues from exports and expects the contribution to grow over the next few years."We are focusing a lot on international growth -- in the US, growth in the EU. Our goal is to become a global brand. We often say that industry in India can do more to develop and invest more in brands, invest in global growth and so on. So that's one area of focus for us," Goenka told PTI during an interaction.He noted that the company is focussing on developing tyres on specific requirements of a region.

"What is the customer need in Italy, what is the customer need in Spain, we are developing an entire range of tyres for that specific market. It could be for the wine growing region, it could be for certain weather conditions in those countries," Goenka, who recently took over as FICCI President, stated.The company is testing tyres in the Nordic region, in Germany, in different areas, Goenka said.

"We make tyres for specific road conditions. So in the Middle East, the cars go on straight roads. In Europe, there are curved roads. In the US, they have straight roads. The weather conditions are also different, so you have to develop tyres keeping all this in mind," he said.Goenka said the tyre maker remains very optimistic about growth prospects going ahead.

"We are finding ourselves short on capacity. We sell about 60 per cent in the replacement market, 20 per cent internationally, and 20-25 per cent to OEMs. So to that extent, all sectors are looking fairly positive," he noted.On the overall domestic tyre segment, Goenka said overall the future looks fairly positive.

"Raw material prices have been largely flat. Rubber is at about Rs 185 per kg today.

Is IndiGo too big to fail And what about lack of pilots leading to the flight chaos theory

Was it that the scale that once gave IndiGo a competitive edge had suddenly become a liability Or were there other reasons that triggered the crisis and saw it spiral

New Delhi.(Agency)

Is IndiGo too big to fail? Are they guilty of holding the country to ransom?

These are questions that must be asked after the airline's breathtaking ascent and the chaos that its extraordinary domination of the aviation sector has unleashed over the past few days. On Friday afternoon, even the government body was forced to yield to the giant of our skies and roll back rules for added safety temporarily.After its launch in 2006, IndiGo mushroomed into India's largest airline by pursuing a disciplined low-cost model, high aircraft utilisation, and rapid fleet expansion. Today, IndiGo operates around 2,300 flights every day to 137 destinations, including 94 domestic and 43 international cities, supported by a fleet of 418 aircraft. With an almost 65% share of India's domestic market, it is not just a major airline—it is the backbone of Indian air travel.In comparison, Air India operates barely 150 domestic flights daily, and the entire Air India Group, including international operations, manages between 500 and 600 flights a day. IndiGo's scale is unmatched, and its reliability has shaped travel patterns, ticket pricing, and passenger expectations across the country.This is precisely why the events of early December 2025 came as such a shock.The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) had fully enforced the revised Flight Duty Time Limitations rules on November 1. But on December 2, IndiGo began claiming that they were unable to adapt their rosters quickly enough. The disruption was immediate and severe: more than 1,500 IndiGo flights were cancelled over the next three days.Friday alone saw 1,000 flight cancellations and on-time performance of Indigo plummeted to 18% with all 235 flights from Delhi being

cancelled. This was unprecedented.Saturday too has not been immune to the chaos, with 800 IndiGo flights being cancelled.Passengers were stranded, queues stretched across terminals, and the country witnessed how vulnerable its aviation network becomes when its largest airline stumbles. Airfares skyrocketed as much as tenfold on certain routes. Flight booking platforms even listed one-stop air tickets priced above the Rs 1 lakh mark!

The rule that ended up being blamed

To understand the depth of the crisis, one must examine the Flight Duty Time Limitations rules themselves.Updated by DGCA in January 2024, based on International Civil Aviation Organisation recommendations, court directives, and fatigue-related safety investigations, the Phase II norms that came into force on November 1, 2025 significantly tightened rest and duty requirements. Weekly rest was raised from 36 to 48 continuous hours; night duty was redefined to the longer 00:00 to 06:00 window; permissible night landings per pilot were reduced from six to two; and no pilot could operate more than two consecutive nights.Airlines were also mandated t submit quarterly fatigue reports, reinforcing the fact that fatigue is a proven threat to flight safety worldwide. These rules were designed to bring India in line with global safety standards and to protect both crew and passengers.

Global Events, Inflation Data, FII Trends Likely To Drive Indian Markets Next Week

New Delhi.(Agency)

The Indian stock market is set for a key week ahead, with investors closely watching a mix of domestic and global factors that could shape market sentiment. Inflation data, foreign investor activity, crucial policy meetings in the US, and India's ongoing trade negotiations with major global partners are expected to play a central role in determining market direction.Additionally, fresh developments in India–Russia relations and movement in key economic indicators such as loan growth and forex reserves are likely to keep traders on alert.Russian President Vladimir Putin's visit to India resulted in 16 new agreements between the two countries, covering defence, trade, the economy, healthcare, education, culture, and media.Putin assured that Russia is ready to provide India with a stable and uninterrupted supply of fuel. His statement comes at a time when India is also negotiating a trade deal with the United States, which has urged

New Delhi to reduce its purchases of Russian oil.Talks on an India-US trade agreement are also expected to intensify next week, with a delegation led by Deputy US Trade Representative Rick Switzer set to arrive in New Delhi.Both sides are working on a multi-phase deal, with the first phase aiming to roll back retaliatory tariffs that were imposed after the Trump administration raised duties on Indian goods.In the upcoming week, traders and investors will be closely watching India's inflation data, which will be released on December 12.

This comes after the country recorded a record-low CPI inflation of 0.25 per cent in October. Markets will also monitor data on loan growth, deposit growth, and foreign exchange reserves to assess the overall economic outlook.

Meanwhile, the Indian stock market ended higher on Friday, as investor sentiment improved after the Reserve Bank of India reduced the repo rate by 24 basis points and announced fresh liquidity support worth Rs 1.45 lakh crore through bond purchases and dollar–rupee swaps.The RBI's move signalled a strong push to support economic growth and ease financial conditions.

Order book Rs 90,000 cr and multibagger returns, RVNL has bagged more orders

MUMBAI. (Agency)

Kolkata: Not many companies in India can boast of an order book size of Rs 90,000 crore and rising. PSU company Rail Vikas Nigam Limited, or RVNL is one of them. Over and above this mammoth order book, RVNL has won a has received a large order from Southern Railway. This will further strengthen the company's order book and contribute to its rapid growth. Let's have a look at the details of the project RVNL won.

Project details

RVNL management communicated to the stock exchanges that it has won a contract from Southern Railway that is worth about Rs 145.35 crore. It will help Spouthern Railway to achieve he Mission 3000 MT loading target. The project has entrusted RVNL to design, supply, installation, testing and commissioning of traction substations. It includes power quality compensation equipment, switching posts, 2×25 kV AT feeding system and automatic fault locator. The project has to be completed in 540 days and the location of the project is Jolarpettai Junction to Salem Junction (JTJ-SA) section of Andhrap Radesh.

RVNL shares and returns

Around 12:30 pm on Friday, Dec 5, the Rail Vikas Nigam Ltd stock was trading at Rs 309.30, down Rs 3.10 or 0.99%. Its shares have fallen about 28% in six months. However, it has performed better in the long term. It has delivered multi-bagger returns of 311% in three years and 1,186% in five years. The Centre's stake in the company is 72.84% (Sept 2025) and LIC's stake is 6.12%.

RVNL's net sales fell 4% to reach Rs 3,909 crore in Q1FY26, while its PAT declined 40% to touch Rs 134 crore. In F25, net sales fell 9% to Rs 19,923 crore but PAT surged 19% to reach Rs 1,282 crore. RVNL's market cap is about Rs 64,990 crore.

RVNL order book status

RVNL was set up by the Government of India in 2003 with a view to improving railway infrastructure. Over the past five years, the company has achieved impressive profit growth of 21% CAGR. It also recorded a dividend payout of 33.4%. By September 2025, the company's order book swelled to Rs 90,000 crore that comprises work for the Railways, metro and a few overseas projects. Therefore, one should keep RVNL stock under watch.

FPIs withdraw Rs 11,820 cr in first week of December; outflow reaches Rs 1.55 lakh cr in 2025

Sharp withdrawal follows a net outflow of Rs 3,765 crore in November, further pressuring markets. Analysts attribute the renewed selling primarily to currency concerns.

New Delhi.(Agency)

Foreign investors have pulled out Rs 11,820 crore (USD 1.3 billion) from Indian equities in the first week of this month, primarily driven by the sharp depreciation of the rupee.This sharp withdrawal follows a net outflow of Rs 3,765 crore in November, further pressuring markets.These outflows come after a brief pause in October, when FPIs invested Rs 14,610 crore, breaking a three-month streak of massive withdrawals -- Rs 23,885 crore in September, Rs 34,990 crore in August, and Rs 17,700 crore in July.

According to NSDL data, foreign portfolio investors (FPIs) withdrew a net amount of Rs 11,820 crore from Indian equities in the first week of this month. This takes the total outflow for 2025 to Rs 1.55 lakh crore (USD 17.7 billion).Analysts attribute the renewed selling primarily to currency concerns.

The rupee has depreciated nearly 5 per cent this year, prompting FPIs to pull out during such periods, said VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Investments.Adding to this, year-end portfolio repositioning by global investors, a typical December trend before the holiday season, has also intensified selling, noted Vaqarjaved Khan, Senior Fundamental Analyst at Angel One.Khan said delays in finalising the India-US trade deal have further dampened global sentiment.However, despite the FPI exodus, the impact on markets has been cushioned by strong domestic participation.Domestic Institutional Investors (DIIs) bought equities worth Rs 19,783 crore during the same period, completely offsetting the foreign selloff, Vijayakumar said.DII confidence has been supported by India's robust GDP numbers and expectations of an improvement in corporate earnings ahead.The sentiment received an additional boost after the RBI's 25-bps rate cut on December 5, when FPI flows turned positive for the day at Rs 642 crore.

This shift was significant, considering FPIs had sold nearly Rs 13,000 crore by December 4."The RBI not only reduced rates but also raised its FY26 growth guidance to 7.3 per cent, while cutting its CPI forecast to 2 per cent. A strong growth environment augurs well for Indian equities," Khan said.Looking ahead, global liquidity may get another lift.The CME Fed Watch Tool indicates that the FOMC is expected to cut rates by 25 bps next week, a move that typically benefits risk assets worldwide, he said.India, he said, could be a key beneficiary, though the absence of a concluded India-US trade deal remains a risk factor.Meanwhile, in the debt market, FPIs invested Rs 250 crore under the general limit while withdrawing Rs 69 crore through the voluntary retention route during the same period.

Why young, wealthy Indians are skipping the West for Dubai

Why is Dubai now outperforming the West in attracting young Indian investors and professionals? Have a look.

New Delhi.(Agency)

Dubai's real estate market has seen many waves of international buyers, but the newest and most dynamic group is arriving far earlier in life: affluent Gen Z Indians, many in their mid-20s to early 30s, are emerging as one of the fastest-rising buyer groups in the emirate's property market.Armed with global incomes, digital awareness, and a strong appetite for cross-border assets, this generation is treating Dubai real estate not as a luxury purchase but as a strategic financial milestone.Dubai's progressive residency reforms have unlocked a new demographic of investors Gen Z professionals, content creators, freelancers, and digital nomads," says Alok Priyadarshi, Founder of Homely Yours. Long-term visas, simplified business pathways and an investor-friendly regulatory environment have removed much of the uncertainty that previously kept young buyers on the sidelines.

A GLOBAL ASSET THAT BUILDS IDENTITY, NOT JUST WEALTH

For today's young high-earning professionals, especially those working in tech, finance, consulting and global roles — Dubai represents something more than a safe investment. It has become their gateway to international legitimacy.Priyadarshi explains that for many Gen Z Indians, a 1–2-bedroom apartment priced between AED 1.5–2 million is becoming their first major wealth-building move.

"This generation is graviating towards Dubai because it offers global-standard transparency, predictable returns and a frictionless ownership ecosystem."He notes that young buyers increasingly view Dubai property as a "strategic global asset class that anchors their financial identity early in their careers".

TAX EFFICIENCY: A GAME-CHANGER FOR FIRST-TIME BUYERS

Dubai's tax regime is among its strongest

attractions. Zero property tax, no capital gains tax and straightforward regulatory processes sharply contrast with India's multi-layered taxes, stamp duties and lengthier approvals."Dubai's tax environment fundamentally reshapes the economics for young buyers."Priyadarshi emphasises that escrow norms, RERA-backed oversight and strict developer accountability make the ownership experience far cleaner for first-time global investors. For Gen Z, who prefer clarity and speed, this regulatory predictability is invaluable.

RENTAL YIELDS PULL THEM IN — LIFESTYLE MAKES THEM STAY

Young investors often begin their research with a numbers-first mindset. "Most Gen Z buyers come in because of the attractive 6–8% rental yields. But what converts interest into a transaction is the lifestyle dimension," says Priyadarshi. However, finances are only part of the picture.

From futuristic infrastructure to residency opportunities and a cosmopolitan community, Dubai aligns closely with Gen Z aspirations. Many of these young investors have prior exposure to volatile asset classes like equities or crypto. Dubai real estate offers them stability without compromising on global mobility.

100 people on dancefloor when flames broke out: Eyewitness recalls Goa nightclub fire

New Delhi.(Agency)

25 people were killed, 6 others were injured in a devastating fire at Birch by Romeo Lane, a popular nightclub in North Goa's Arpora on Sunday, officials said. Preliminary investigations suggest that the blaze was caused by a gas cylinder blast, though several eyewitnesses claimed the fire started on the club's dance floor, where tourists were celebrating.

Goa Chief Minister Pramod Sawant, who visited the site after the incident, informed that most of the victims were kitchen staff, along with three to four tourists. Later, the police confirmed that of the 25 fatalities, 14 were staff members, four were tourists and the identities of seven victims are yet to be established.

Eyewitnesses described the chaos as the fire erupted. Fatima Shaikh, a tourist from Hyderabad, told PTI that the nightclub was packed, with around 100 people on the dance floor, when flames suddenly broke out.

"There was a sudden commotion as the flames started erupting. We rushed out of the club only to see that the entire structure was up in flames," she said.Shaikh added that in a desperate attempt to escape, some tourists ran downstairs to the kitchen, where they became trapped along with staff members."Many managed to run out, but the kitchen area was engulfed quickly," she said. The nightclub's structure, which included temporary constructions made of palm leaves, caught fire rapidly, she added.

The nightclub is situated in the backwaters of the Arpora river and has a narrow entry and exit. There was no access for the fire brigades to the club because of the narrow lanes and their tankers had to be parked about 400 metres away from the spot.

Residents near the club reported hearing a loud explosion before seeing ambulances arrive at the scene."When I was heading home, I heard an explosion. Later, we saw ambulances arriving at the spot. When we reached the location, we saw that the incident had already occurred," the local told ANI.

A security guard at a nearby restaurant also confirmed hearing a "massive explosion" and later learned that the fire had started following a cylinder blast.

MAGISTERIAL ENQUIRY ORDERED

Authorities have launched a preliminary probe into the incident, and Chief Minister Sawant has ordered a magisterial enquiry to determine the cause of the fire and fix responsibility.A senior officer from the Fire and Emergency Services told PTI that most of the deaths in the Arpora nightclub fire were caused by suffocation, as victims became trapped on the ground floor.

CM Pramod Sawant said the nightclub had not complied with fire safety norms. He added that an inquiry would be ordered into the tragedy and action would be taken against both the club management and the authorities that allowed the establishment to operate.

Roshan Redkar, sarpanch of the Arpora-Nagoa panchayat, said that the club was run by Saurav Luthra, who had an ongoing dispute with his partner."There was a dispute between them, and both had filed complaints with the panchayat. During inspection, we found that the club did not have permission to operate," he said.

The panchayat had even issued a demolition notice, which was later stayed by the Directorate of Panchayats. Redkar added that the original owner had sublet the premises to Luthra.Commenting on the incident, he said, "The fire was unfortunate. We have been issuing notices to establishments violating norms. Now, we need to be more vigilant."

Calangute MLA Michael Lobo, who also visited the site, said local panchayats would conduct a fire safety audit of all nightclubs to prevent similar incidents. The Calangute panchayat will issue notices to all clubs on Monday, requiring them to provide valid fire safety permissions.

Unified command DUMTA to take care of Delhi transport; task force report within three weeks

New Delhi.(Agency)

Aiming to rationalise traffic movement in the capital by ending multiplicity of agencies in the transport sector, the Delhi government has decided to establish the Delhi Unified Metropolitan Transport Authority (DUMTA). Once approved, bodies such as the Delhi Transport Corporation, Public Works Department, Transport Department, and Delhi Traffic Police will function under a single umbrella for their transport-related functions.

The Delhi government has also announced the creation of a 21-member task force to chalk out a strategy for the creation of DUMTA. Headed by the chief secretary, it will design the body's framework.Its key responsibilities include drafting a strategic mobility plan and ensuring effective coordination among state agencies, with recommendations to be submitted to the lieutenant governor within three weeks. It will also help draft a DUMTA bill for the Delhi Assembly.According to a government notification, the additional chief secretary of the Department of Urban Development will serve as the member secretary of the task force. Its members will include the administrative secretaries of the departments of transport, finance and planning, and the Public Works Department.The new body will also accommodate the vice chairman of the Delhi Development Authority, commissioners of the Delhi Police and the Municipal Corporation of Delhi, the tourism secretary, the chief executive officer of the Delhi Jal Board, and representatives from the National Highways Authority of India and New Delhi Municipal Council among others.

Dust control steps intensified with Ring Road cleaning drive

New Delhi.(Agency)

Chief Minister Rekha Gupta led a cleaning and washing drive on the Ring Road at Khyber Pass Chowk in Civil Lines, personally participating in sweeping and water-sprinkling operations on Saturday amid rising pollution concerns."This campaign is a significant step towards making Delhi pollution-free and ensuring effective dust control. Regular road washing, mechanical sweeping, and on-ground monitoring across the city are being undertaken with great speed and seriousness. For the first time in Delhi's history, a washing campaign has been carried out across the entire Ring Road," the CM said.

The Chief Minister added that dust is a major contributor to pollution, and to address this permanently, roads are being constructed wall-to-wall. She alleged that previous governments neither took interest in road construction nor ensured that roads were built wall-to-wall, resulting in dust being blown across Delhi throughout the year. Her government, she said, has now ensured a permanent solution.

The Chief Minister further informed that elected representatives are being allocated adequate budgets to construct strong and dust-resistant roads. Each MLA is being allocated Rs 10 crore for such works in their constituencies, she said.

She added that the Delhi government is also working to curb the use of coal and wood in the open, alongside long-term pollution control. For this purpose, the government has started distributing electric heaters to security guards and electric irons to people who iron clothes, helping them shift away from traditional fuels. She appealed to citizens and companies to contribute through CSR funds to support these cleaner alternatives.Sharing details of ongoing pllution-control efforts, the Chief Minister said the government is rapidly moving towards fully transitioning public transport to electric vehicles (Evs).

Ex-IAS officer Pradeep Sharma sentenced to five years in money laundering case

New Delhi.(Agency)

A special court sentenced retired IAS officer Pradeep Sharma to five years in prison on Saturday and imposed a fine of Rs 50,000 in a money laundering case linked to the allotment of government land at concessional rates between 2003 and 2006, during his tenure as Kutch district collector.Special PMLA Judge KM Sojitra convicted Sharma under Sections 3 and 4 of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) and directed that the properties seized by the Enforcement Directorate (ED) during the investigation remain confiscated by the Central government.

In March 2012, the Ahmedabad zonal office of the Enforcement Directorate (ED) filed a criminal case against Sharma and others under the Prevention of Corruption Act and the Indian Penal Code (IPC). Sharma was arrested in July 2016 and later granted bail in March 2018.

Investigations revealed that Sharma, as the chairman of the district land pricing committee, sanctioned a large parcel of government land to Welspun India Limited at concessional rates in violation of norms.The ED alleged that Sharma used his wife's bank account to launder proceeds of crime received from Welspun India and its group companies. These funds were reportedly used to repay a housing loan and purchase agricultural land.

The prosecution said that Sharma received illegal gratification for granting undue favours to the company, with Rs 29.5 lakh credited to his wife's account, who is a US resident.

He was also accused of receiving a mobile SIM card from the company, which paid Rs 2.24 lakh between 2004 and 2009 as proceeds of crime.Further, Sharma's wife was made a 30% partner in Value Packaging Pvt Ltd between 2004 and 2007 to channel the bribe money, according to the ED. The agency noted that the partnership acted as a special purpose vehicle to route the funds to her NRO account.

'I literally had a panic attack': IndiGo commuters wait for refunds, fare cap

New Delhi.(Agency)

"I am usually a person who can handle high-pressure situations, but the last 48 hours were like a nightmare to me; I literally had a panic attack," said Aikantik Bag, who was travelling from Lucknow to Kolkata on Wednesday night.

Aikantik is not the only person to face this uncertainty; hundreds of other passengers travelling by the Indigo flights have faced cancellations over the past week, some even at the last minute. Many have still not been able to trace their check-in luggage, while many await their refunds.

The Ministry of Civil Aviation (MoCA) on Saturday stepped in and ordered IndiGo Airlines to clear all pending passenger refunds by 8pm on Sunday. The directive came with a stern warning that failure to comply will result in "immediate regulatory action". Additionally, the ministry has directed the airline to ensure that all the baggage separated from the passengers due to cancellations or delays is traced and delivered to their residential or chosen address within the next 48 hours. However, many passengers have reported issues of no refund and luggage not reaching even after all the formalities.

"Even after submitting my flight details on the refund portal of IndiGo, no option of refund is visible," says Aikantik. He further said, "I had completed my check-in for that flight, and it got cancelled.

Also, the option for a refund shows as disabled on my end. Two of my checked-in pieces of luggage are still untraceable," he added.

Dr Shaarique, who was supposed to travel on an IndiGo flight from Bangalore to Pune on Saturday, received a message regarding the cancellation at 1 am on Friday night. "No refund has been issued yet, but I have received an email saying that it will be processed in a few days," he said.

Village In Bastar, Once A Maoist Den, Gets Mobile Network For First Time

New Delhi.(Agency)

In regions of Chhattisgarh's Bastar once marked by fear and isolation due to Maoist violence, a visible shift on the ground is now unfolding. In the village of Kondapalli in Bijapur district, the arrival of mobile network connectivity for the first time has not only brought a technological milestone but has also strengthened the belief among locals that the decline of Maoism is finally becoming a lived reality.

As soon as signal bars appeared on the villagers' mobile phones, Adivasi families rushed towards the newly installed tower. They beat traditional dhol and mandar drums, elderly villagers touched the tower reverently, and several women lit lamps and offered prayers. The scene symbolised a transformation that the community had awaited for decades.

A Symbolic Connection To The Outside World

Kondapalli, which is located deep within the forested region along the Telangana-Chhattisgarh border, has long remained deprived of basic amenities such as roads, electricity and drinking water. In such a setting, the installation of a mobile tower is not merely an infrastructure upgrade - it is a symbolic connection of the village to the outside world.

For many years, Kondapalli faced challenges in accessing communication, transport and public services. Administrative teams struggled to reach the area due to difficult terrain and Maoist obstruction. However, with continuous security operations, improved administrative outreach and focused government interventions, the region is rapidly moving towards development. For the villagers, the arrival of mobile connectivity marks not just convenience but the beginning of a new life.

The "Niyad Nella Naar" initiative, implemented under the leadership of Chief Minister Vishnu Deo Sai, has played a decisive role in driving this change. Under the scheme, services are being delivered to 403 villages around 69 newly established security and administrative camps. Nine departments are providing community services, while 11 departments are extending individual benefit schemes directly to families. Key facilities such as banking, education, healthcare, ration distribution, communication and drinking water are now reaching remote areas with greater efficiency.

The communication sector has registered remarkable growth over the last two years. A total of 728 new mobile towers have been installed, including 116 in Left Wing Extremism-affected areas and 115 in aspirational districts.

Pak woman seeks PM Modi's help as husband plans second marriage in Delhi

A Pakistani woman has appealed to PM Modi for justice, alleging that her husband abandoned her at the Attari border and is preparing for a second marriage in Delhi.

New Delhi.(Agency)

A Pakistani woman has accused her husband of abandoning her in Karachi while secretly planning a second marriage in Delhi. The woman, identified as Nikita Nagdev, has released a heartfelt video appeal to Prime Minister Narendra Modi, calling for justice and drawing attention from social and legal groups in both countries.According to Nikita, a resident of Karachi, she married Vikram Nagdev, a man of Pakistani origin residing in Indore on a long-term visa, on 26 January 2020 in Karachi, following Hindu customs.

A month later, on 26 February 2020, Vikram brought her to India. However, within a few months, Nikita claims her life took a distressing turn.On 9 July 2020, she alleges that Vikram abandoned her at the Attari border under the pretext of a visa technicality and forcibly sent her back to Pakistan. Since then, she says, Vikram has made no effort to bring her back."I kept requesting him to call me to India, but he refused every time," Nikita said in her emotional video.

In the video message recorded from Karachi, she appealed, "If justice is not served today, women will lose faith in the system. Many girls face physical and mental abuse in their marital homes. I urge everyone to stand with me."

Nikita reportedly faced distressing treatment immediately after her wedding. Upon returning to her in-laws' home from Pakistan, she found that their behaviour had completely changed.

She later discovered that her husband was allegedly having an affair with one of her relatives, and when she raised the matter with her father-in-law, he reportedly dismissed it, saying that such behavior was typical and nothing could be done.She further alleged that during the COVID-19 lockdown, Vikram forced her to return to Pakistan and has since refused to allow her entry back into India. "Every woman deserves justice in India," Nikita asserted.Distressed by the prospect of being replaced while still legally married, she filed a written complaint on 27 January 2025.The case was taken up by the Sindhi Panch Mediation and Legal Counsel Centre, authorised by the Madhya Pradesh High Court. Notices were issued to Vikram and his alleged fiance, and a hearing was conducted.

NEWS BOX

"European Union Should Be Abolished": Elon Musk After $140 Million Fine On X

United States. (Agency)

Elon Musk clapped back Saturday at the European Union after it hit the tech tycoon's X social media platform with a major fine, telling his 230 million online followers that the EU should be "abolished."

Following a high-profile probe seen as a test of EU resolve to police Big Tech, the social media platform owned by the world's richest person was slapped with a fine of 120 million euros ($140 million) on Friday for breaking the bloc's digital rules.The penalty was swiftly criticiSed by the US administration of Donald Trump, who as president aligned with Musk on a contentious effort to slash the federal workforce and cut spending, before the two had a falling out.

Musk himself weighed in after the fine was announced, posting on his X account: "The EU should be abolished and sovereignty returned to individual countries, so that governments can better represent their people."When a user reposted Musk's comment, he responded, "I mean it. Not kidding."

"I love Europe, but not the bureaucratic monster that is the EU," he added in another post.

The fine against X was the first imposed by the European Commission under its Digital Services Act (DSA) on content.The Commission said X was guilty of breaching the DSA's transparency obligation.The violations include the deceptive design of the platform's "blue checkmark" for supposedly verified accounts, and its failure to provide access to public data for researchers, it said.

X had also failed to be sufficiently transparent about its advertising, the Commission added.

Japan protests after a Chinese military aircraft locks its radar on Japanese jets

TOKYO. (Agency)

Japan said early Sunday that it has protested to China after a military jet that took off from the Chinese carrier Liaoning locked its radar on Japanese fighter jets near the southern island of Okinawa, the latest spat between the two countries whose ties have plunged recently over the Japanese leader's Taiwan remarks.Japan's Defense Ministry said China's military aircraft J-15 "intermittently" targeted its radar at Japanese F-15 fighter jets on two occasions Saturday — for about three minutes in the late afternoon and for about 30 minutes in the evening.

The radar lock by the Chinese aircraft was detected by different Japanese fighters that had scrambled against a possible airspace violation by China, according to the ministry. There was no breach of Japanese airspace, and no injury or damage was reported from the incident.It was not known whether the radar lock incident involved the same Chinese J-15 both times.Defense Minister Shinjiro Koizumi, briefing reporters in the early hours of Sunday, said Japan protested to China over the radar lock, calling it "a dangerous act that exceeded the scope necessary for safe aircraft operations."

"The occurrence of such an incident is extremely regrettable," Koizumi said. "We have lodged a strong protest with the Chinese side and demanded strict preventive measures."There was no immediate comment from the Chinese government or military. On Friday, Foreign Ministry spokesperson Lin Jian said the Chinese navy operates in accordance with international law and that others shouldn't hype up its activities.

Now, younger Canadians turn against immigration due to rising concern over housing affordability

CHANDIGARH. (Agency)

Blaming the housing affordability, now the younger people are turning against an increased intake of newcomers. In Canada, a public opinion on immigration shifted dramatically twice in the past 30 years.These were the findings in a recent paper, 'Who Changed Their Minds? Two Shifts in Canadian Public Opinion on Immigration: 1995-2005 and 2023-24', published by the Institute of Research on Public Policy's Centre of Excellence on the Canadian Federation.The paper written by Randy Besco, an associate professor at the University of Toronto and Natasha Goel, a scholar there, stated that the Canadian public opinion on immigration shifted dramatically twice in the past 30 years.

It became more positive between 1995-2005 and then more negative in 2023-24. The brief on immigration was based on over 40 years of surveys conducted by the Environics Institute to compare shifts in the opinions of different demographic groups.

Overall, the 1990s-2000s shift was remarkably broad-based, with most groups following the general pro-immigration trend and previous gaps due to education and immigrant status narrowing.

However, the 2023-24 shift was quite different.

First, it was primarily an anglophone phenomenon, with francophone and Quebec respondents showing less movement.Second, the gender gap has flipped: previously, men were more supportive, but now women are.Third, the role of age has reversed: in the past, older people were more likely to say there is too much immigration, but now it is young people espousing that view."Recent shifts are clearly a new phenomenon, rather than simply a reversion of previous changes," it reads.It further stated, "the average opposition to immigration for four different age groups from 1980 to 2025. In general, over that time frame, older respondents tended to think there was too much immigration. These differences were modest, however, and shifts occurred over time in all age groups.

War-Torn Chernobyl Nuclear Plant's Protective Shield Damaged: UN Agency

The UN reported on February 14 that Ukrainian authorities said a drone with a high explosive warhead struck the plant, caused a fire and damaged the protective cladding around reactor Number Four

World. (Agency)

A protective shield at the Chornobyl nuclear plant in war-torn Ukraine, built to contain radioactive material from the 1986 disaster, can no longer perform its main safety function due to drone damage, the UN nuclear watchdog said on Friday, a strike Ukraine has attributed to Russia.The International Atomic Energy Agency said an inspection last week of the steel confinement structure completed in 2019 found the drone impact in February, three years into Russia's conflict in Ukraine, had degraded the structure.IAEA Director General Rafael Grossi said in a statement the inspection "mission confirmed that the (protective structure) had lost its primary safety functions, including the confinement capability, but also found that there was no permanent damage to its load-bearing structures or monitoring systems."Grossi said repairs had already been carried out "but comprehensive restoration remains essential to prevent further degradation and ensure long-term nuclear safety".The UN reported on February 14 that Ukrainian authorities said a drone with a high explosive warhead struck the plant, caused a fire and damaged the protective cladding around reactor Number Four, which was destroyed in the 1986 disaster.Ukrainian authorities said the drone was Russian. Moscow denied it had attacked the plant.Radiation levels remained normal and stable and there was no reports of radiation leaks, the UN said in February.The 1986 Chornobyl explosion sent radiation across Europe and prompted Soviet authorities to mobilise vast numbers of men and equipment to deal with the accident. The plant's last working reactor was closed in 2000.Russia occupied the plant and the surrounding area for more than a month in the first weeks of its February 2022 invasion of Ukraine as its forces initially tried to advance on the Ukrainian capital Kyiv.The IAEA had conducted the inspection at the same time as a country-wide survey of damage to electricity substations by the nearly four-year war between Ukraine and Russia.

No breakthrough at 'constructive' Ukraine-US talks

MIAMI . (Agency)

Three days of talks between Ukrainian and US officials produced no apparent breakthrough Saturday, with President Volodymyr Zelensky committing to further negotiations toward "real peace," even as Russia launched another series of drone and missile strikes on its neighbor.Zelensky said he joined his negotiators for a "very substantive and constructive" call with US envoys Steve Witkoff and Jared Kushner, as part of the third day of meetings in Florida."Ukraine is committed to continuing to work honestly with the American side to bring about real peace," Zelensky said on Telegram, adding that the parties agreed "on the next steps and the format of the talks with America."In Paris, French President Emmanuel Macron said he will meet Zelensky, British Prime Minister Keir Starmer and German Chancellor Friedrich Merz in London on Monday to "take stock" of the negotiations on the US-drafted plan on how to end the almost

four-year war.Ahead of Saturday's talks, Russia launched over 700 drones and missiles at Ukraine overnight, targeting critical infrastructure, such as energy sites and railways, and triggering heating and water outages for thousands of households."The main targets of these strikes, once again, were energy facilities," Zelensky said earlier in the day on social media. "Russia's aim is to inflict suffering on millions of Ukrainians."As with previous waves of attacks, the Russian defense ministry said they had targeted "Ukrainian military-industrial complex enterprises and the energy facilities that support them," and added that "all designated targets were hit."

Paris slams Moscow's ' escalatory path'

The talks come after Witkoff and Kushner met Russian President Vladimir Putin at the Kremlin on Tuesday, with Moscow rejecting parts of the US proposal."Both parties agreed that real progress toward any agreement depends on Russia's readiness to show serious commitment to long-term peace, including steps toward de-escalation and cessation of killings," said a readout of the Miami talks posted Friday by Witkoff on X.

Also on Friday, US and Ukrainian officials "also agreed on the framework of security arrangements and discussed necessary deterrence capabilities to sustain a lasting peace."

Macron announced he would travel to London on Monday to meet with Zelensky together with the German and British leaders, slamming what he called Russia's "escalatory path.

Hegseth defends strikes on alleged cartel boats, says Trump can order use of force 'as he sees fit'

WASHINGTON .(Agency)

US Defense Secretary Pete Hegseth defended strikes on alleged drug cartel boats during remarks Saturday at the Ronald Reagan Presidential Library, saying President Donald Trump has the power to take military action "as he sees fit" to defend the nation.

Hegseth dismissed criticism of the strikes, which have killed more than 80 people and now face intense scrutiny over concerns that they violated international law.Saying the strikes are justified to protect Americans, Hegseth likened the fight to the war on terror following the Sept. 11, 2001 attacks."If you're working for a designated terrorist organization and you bring drugs to this country in a boat, we will find you and we will sink you. Let there be no doubt about it," Hegseth said during his keynote address at the Reagan National Defense Forum."President Trump can and will take decisive military action as he sees fit to defend our nation's interests. Let no country on earth doubt that for a moment."The most recent strike brings the death toll of the

campaign to at least 87 people. Lawmakers have sought more answers about the attacks and their legal justification, and whether US forces were ordered to launch a follow-up strike following a September attack even after the Pentagon knew of survivors.Though Hegseth compared the alleged drug smugglers to Al-Qaida terrorists, experts have noted significant differences between the two foes and the efforts to combat them.

Hegseth's remarks came after the Trump administration released its new national security strategy, one that paints European allies as weak and aims to reassert America's dominance in the Western Hemisphere.

During the speech, Hegseth also discussed the need to check China's rise through strength instead of conflict. He repeated Trump's vow to resume nuclear testing on an equal basis as China and Russia — a goal that has alarmed many nuclear arms experts.China and Russia haven't conducted explosive tests in decades, though the Kremlin said it would follow the US if Trump restarted tests.

The speech was delivered at the Reagan National Defense Forum at the Ronald Reagan Presidential Foundation and Institute in California, an event which brings together top national security experts from around the country. Hegseth used the visit to argue that Trump is Reagan's "true and rightful heir" when it comes to muscular foreign policy.By contrast, Hegseth criticized Republican leaders in the years since Reagan for supporting wars in the Middle East and democracy-building efforts that didn't work. He also blasted those who have argued that climate change poses serious challenges to military.

Trump Can Use Force 'As He Sees Fit', Hegseth Says On Alleged Cartel Boat Strikes

world. (Agency)

US Secretary of War Pete Hegseth on Saturday defended recent military strikes on boats linked to alleged drug cartels, saying President Donald Trump has the authority to take action "as he sees fit" to safeguard the nation.Speaking at the Ronald Reagan Presidential Library, Hegseth rejected criticism of the strikes, which have reportedly resulted in more than 80 deaths and raised questions over potential breaches of international law.He argued the operations were justified to protect American citizens and likened the effort to the response following the September 11, 2001, attacks."If you're working for a designated terrorist organisation and you bring drugs to this country in a boat, we will find you, and we will sink you. Let there be no doubt about it," Hegseth said during his keynote address at the Reagan National Defence Forum."President Trump can and will take decisive military action as he sees fit to defend our nation's interests. Let no country on earth doubt that for a moment."The most recent strike has brought the reported death toll to at least 87.

Lawmakers have requested greater clarity about the legal basis for the strikes and whether US personnel were instructed to conduct a second strike after a September operation when officials knew there were survivors.Hegseth also likened suspected drug traffickers to Al-Qaeda, though analysts have pointed out key differences between the two and the strategies needed to combat them.

His remarks came soon after the administration released its national security strategy, which depicts European partners as weak and aims to reassert US power in the Western Hemisphere.During his speech, Hegseth also emphasised the necessity of countering China's rise through strength rather than confrontation.

He repeated Trump's pledge to resume nuclear testing on the same level as China and Russia -- a stance that has surprised many nuclear policy experts.The event, held at the Reagan National Defence Forum at the Ronald Reagan Presidential Foundation and Institute in California, featured senior national security figures from across the country.

Hegseth used his platform to argue that Trump is Reagan's "true and rightful heir" in terms of pursuing a robust foreign policy.He contrasted this approach with Republican leaders after Reagan, criticising support for Middle East conflicts and failed democracy-building efforts.He also aimed at those who claim climate change poses serious risks to military readiness."The war department will not be distracted by democracy building, interventionism, undefined wars, regime change, climate change, woke moralising and feckless nation building," he said.

Supporters of Venezuelan opposition leader Maria Corina Machado march in cities worldwide

CARACAS. (Agency)

Supporters of Venezuelan opposition leader María Corina Machado demonstrated Saturday in several cities worldwide to commemorate her Nobel Peace Prize win ahead of the prestigious award ceremony next week.Thousands of people marched through Madrid, Utrecht, Buenos Aires, Lima and other cities in support of Machado, whose organization wants to use the attention gained by the award to highlight Venezuela's democratic aspirations. The organization expected demonstrations in more than 80 cities around the world on Saturday.The crowd in Lima carried portraits of Machado and demanded a "Free Venezuela." With the country's yellow, blue and red flag draped over their backs or emblazoned on their caps, demonstrators clutched posters that read, "The Nobel Prize is from Venezuela."

Verónica Durán, a 41-year-old Venezuelan who has lived in Lima for eight years, said Machado's Nobel Peace Prize is celebrated because "it represents all Venezuelans, the fallen and the political prisoners in their fight to recover democracy."In neighboring Colombia, a group of Venezuelans gathered in Bogotá, the capital. They donned white T-shirts and carried balloons as part of a religious ceremony in which supporters asked that the Nobel Peace Prize "be a symbol of hope" for the Venezuelan people.Meanwhile, in Argentina's capital of Buenos Aires, some 500 people gathered on the steps of the law school at the country's largest university, improvising a torchlit march with their cell phones."We Venezuelans in the world have a smile today, because we celebrate the Nobel Prize of María Corina and of the entire Venezuelan diaspora and of all the brave people within Venezuela, who have sacrificed themselves... we have so many martyrs, heroes of the resistance," said Nancy Hoyer, a 60-year-old supporter.The gatherings come at a critical point in the

country's protracted crisis as the administration of US President Donald Trump builds up a massive military deployment in the Caribbean, threatening repeatedly to strike Venezuelan soil. Venezuela's President Nicolás Maduro is among those who see the operation as an effort to end his hold on power, and the opposition has only added to this perception by reigniting its promise to soon govern the country."We are living through times where our composure, our conviction, and our organization are being tested," Machado said in a video message shared Tuesday on social media. "Times when our country needs even more dedication because now all these years of struggle, the dignity of the Venezuelan people, have been recognized with the Nobel Peace Prize."Machado won the award Oct. 10 for her struggle to achieve a democratic transition in the South American nation, winning recognition as a woman "who keeps the flame of democracy burning amid a growing darkness."Machado, 58, won the opposition's primary election and intended to run against Maduro in last year's presidential election, but the government barred her from running for office. Retired diplomat Edmundo González, who had never run for office before, took her place.

The lead-up to the July 28, 2024, election saw widespread repression, including disqualifications, arrests and human rights violations. It all increased after the country's National Electoral Council, which is stacked with Maduro loyalists.

NEWS BOX

Abhishek Sharma scripts history, becomes 1st Indian to hit 100 Sixes in calendar year

New Delhi. (Agency)

Star Indian batter Abhishek Sharma etched his name in the history books, becoming the first-ever Indian player to score 100 sixes in a calendar year. He achieved the feat during Punjab's fixture against Services in the Syed Mushtaq Ali Trophy 2025-26 at Rajiv Gandhi International Stadium, Hyderabad.

Sharma continued his blistering form in the ongoing tournament, scoring a sensational 62 off 34 balls, with the help of eight fours and three sixes. During this innings, he surpassed the landmark of 100 maximums, becoming the first Indian to achieve the feat.The southpaw has now hit 101 sixes in the year so far, from just 36 innings in T20 cricket. Sharma has accumulated 1,499 runs in the format this year, at an average of 42.82 and an astonishing strike rate of 204.22. He has also registered nine fifties and three hundreds in the year to date.Against Services, Sharma also claimed two wickets with the ball, helping his team secure a 73-run victory, and was adjudged Player of the Match.He had earlier scored a sensational century off just 32 balls against Bengal, smashing seven fours and 11 sixes in his innings. Sharma played a belligerent innings of 148 off 52 balls, hitting eight fours and 16 sixes.

Courtesy of his innings, Punjab finished their allotted 20 overs on 310/5 — the highest total in SMAT history.The 25-year-old is the third-highest run-scorer of the tournament so far, with 304 runs from six innings at an average of 50.66 and a sensational strike rate of 249.18, including one hundred and two fifties. Sharma is currently the number-one ranked batter in T20Is, with 920 rating points to his name. He will next be seen in action in the upcoming five-match T20I series against South Africa, beginning on 9 December.

Harshit Rana India's next all-rounder? Gautam Gambhir reveals big plans for pacer

New Delhi. (Agency)

Head coach Gautam Gambhir said India are viewing Harshit Rana as a potential bowling all-rounder. On Sunday, India clinched the ODI series 2–1 against South Africa in Vizag with a nine-wicket win, with Rana picking up four wickets from three games. Although he hasn't had many opportunities to bat, Gambhir believes Rana can develop into a reliable No. 8.

With the ball, Harshit claimed three wickets in India's 13-run victory in Ranchi, followed by 1 for 70 in Raipur. In Vizag, he returned figures of 8–2–44–0. Gambhir said India are focused on finding the right team balance and praised Harshit, Prasidh Krishna, and Arshdeep Singh for stepping up despite their limited experience.

"That's one of the reasons why we are trying to probably develop someone like Harshit, who can actually bat at 8 and contribute with

a bat at No. 8. That's how we need to find the balance, because come South Africa in two years' time, we would be needing three proper seamers as well," Gambhir told after India's series win.And if he can continue to develop as a bowling allrounder, it's going to give us a massive boost. Because obviously with Jasprit Bumrah coming back, and what we saw of Arshdeep [Singh], Prasidh [Krishna] and Harshit in this series, [it] was incredible."All these three guys do not have a lot of experience under their belts, especially in the 50-over format They've hardly played less than 15 ODIs, all these three bowlers, but they've done a fabulous job. So I feel that if we can develop someone like Harshit at No. 8, who can contribute with the bat, I think it is going to give us the right balance as well Let's see. I think it's still a long way," Gambhir added.

ARSHIT RANA WITH THE BAT

Harshit Rana has produced useful cameos with the bat time and again.

Lionel Messi masterclass helps Inter Miami win first ever MLS title

Lionel Messi helped Inter Miami to win their first ever MLS title on Sunday. Messi hit his iconic walk during the celebrations after Miami beat Vancouver 3-1 in the final of the tournament.

New Delhi. (Agency)

Inter Miami captured their first MLS Cup title on Sunday, December 7, with a 3-1 win over the Vancouver Whitecaps. Lionel Messi was the creator in chief in the summit clash as Miami finished the night with late goals from Rodrigo De Paul and Tadeo Allende, handing the side their maiden MLS title.Although Vancouver controlled long spells of the match and threatened repeatedly through Thomas Mueller, the final shifted on Messi's impact. The Argentine star collected his first MLS league championship and closed out what has been his strongest season since arriving in the United States."Last year we finished first in the league and unfortunately we were knocked out in the first round. The MLS was the ultimate prize. The team put in a tremendous effort and rose to the occasion," the 38-year-old added.The legendary Argentina did the Ric Flair strut while lifting the trophy once again, a celebration that has gone iconic since the 2022 FIFA World Cup, where Messi inspired his team to a terrific title win against France.

On Sunday, Miami struck early in the eighth minute when Messi played Allende into space. Allende sent a low cross into the area that deflected off Vancouver defender Edier Ocampo and crossed the line for an own goal.Vancouver continued to dictate possession in the second half and finally turned that pressure into an equalizer in the 60th minute. Ali Ahmed drove into the penalty area and fired a low shot that Rios Novo reached but could not hold, with the ball rolling over the line to level the match.

Miami regained their advantage in the 71st minute when Messi intercepted a loose Vancouver touch and slid the ball across the box to Rodrigo De Paul, who sent his finish beyond Yohei Takaoka with calm precision.The hosts put the trophy beyond doubt in stoppage time. Messi threaded a pass to Allende, setting off emotional celebrations as Jordi Alba appeared in tears on a night that marked the final match for both him and Sergio Busquets, close friends and former Barcelona teammates.

"I'm happy for them. Finishing their careers this way is very nice for everyone," Messi said."Something very beautiful is coming to an end for them, something to which they have devoted their entire lives. I wish them all the best. They are two friends whom I love very much, and I am happy that they can leave with this title."David Beckham, the club's co owner and a central figure behind Miami's long term project, joined the celebrations on the pitch once the trophy was secured.

After controversial Pakistan stint, Gary Kirsten joins Namibia before T20 World Cup

New Delhi. (Agency)

Former South African cricketer Gary Kirsten has been appointed as a consultant for Namibia's men's national teams and will work alongside head coach Craig Williams in the lead-up to the Men's T20 World Cup, scheduled to be co-hosted by India and Sri Lanka next year.Kirsten was last involved with an international team as the head coach of Pakistan in 2024. He took charge in April but resigned in October amid a power struggle with the Pakistan Cricket Board (PCB).On joining Namibia, Kirsten expressed his admiration for the team's progress, saying he is impressed with the growth of their cricket, their dedication to continuous improvement, and their ability to challenge top teams."It is indeed a privilege to work with Cricket Namibia. I have been thoroughly impressed with the dedication and determination to create a high-performance cricket environment," Kirsten said in a Cricket Namibia statement."Their new state-of-the-art cricket stadium is a testament to their commitment to making

sure their national teams are competing with the best cricket countries in the world."Their senior men's national team is performing well, and I look forward to adding value to their preparation for the T20 World Cup in February next year."A former South African opening batsman, Kirsten transitioned into coaching after retiring in 2004 and became India's head coach in 2007, leading them to a memorable 2011 ODI World Cup victory over Sri Lanka at the Wankhede Stadium.He subsequently coached South Africa and participated in various T20 franchise leagues globally. In 2024, his stint as Pakistan's head coach was short-lived and challenging, ending without significant success."Kirsten's appointment as consultant reflects Cricket Namibia's commitment to strengthening its high-performance environment and supporting the existing coaching structure," a statement from the board said."His blend of international playing experience, coaching success, and passion for player development brings valuable insight and added depth to the Eagles [men's national team] setup."Namibia have qualified for the last three ICC Men's T20 World Cups in 2021, 2022, and 2024 and are also set to take part in next year's edition. Across 15 matches, they have won five and lost ten, achieving a win rate of around 33 per cent.Their 2021 debut was remarkable, reaching the Super12 stage. While subsequent campaigns saw group-stage exits, Namibia have shown flashes of brilliance, notably defeating Sri Lanka by 55 runs in 2022 and overcoming Oman in a Super Over in 2024, proving their ability to challenge top teams.

5000 runs, 65-ball 100: Evergreen Ellyse Perry seals WBBL playoff spot for Sixers

CHRISTCHURCH. (Agency)

Sydney Sixers Women edged past Adelaide Strikers by a thrilling 1-run victory in the 40th match of the Women's Big Bash League at North Sydney on December 7, with Ellyse Perry once again proving why she is a true WBBL legend. Perry's 111 off 71 balls not only guided the Sixers to 173/4 but also marked a historic milestone; she became only the second batter after Beth Mooney to reach 5,000 WBBL runs.Her knock, featuring 16 fours and three sixes at a strike rate of 156.33, ranks as the fourth-fastest century for the Sixers, behind former skipper Alyssa Healy's top three. Opening alongside Sophia Dunkley, who contributed a steady 54 from 40 balls, Perry's innings was the cornerstone of a formidable Sixers total. Skipper Ashleigh Gardner perished for 4 and Alyssa Healy bagging a duck

meant the onus remained firmly on Perry, whose blend of precision and aggression set the tone.PATTERSON'S KNOCK IN VAIN

The Strikers made a spirited response, led by an extraordinary 65 off 35 balls from Bridget Patterson, whose six fours and four sixes kept her side in contention. Amanda-Jade Wellington's quickfire 31 and Madeline Penna's 31 had the Strikers on the cusp of a memorable chase. However, despite Patterson's heroic knock and a late flurry of runs, Adelaide fell agonisingly short, finishing on 172/7. The last over proved pivotal, as the Sixers held their nerve to defend a narrow margin.The bowlers, notably Eleanor Larosa with 4/20 in her 4 overs, played a crucial role in restricting the Strikers at key moments, while Gardner and Cheatle provided timely breakthroughs. Amelia Kerr and Maitlan Brown also bowled economically, applying pressure throughout the innings.

Abu Dhabi Grand Prix 2025: All you need to know about F1 title-decider

A three-way title fight, a pole-sitting champion, and a season finale built for drama — the 2025 Abu Dhabi Grand Prix has all the elements of a classic. Norris, Verstappen and Piastri now race for one decisive crown.

New Delhi. (Agency)

The 2025 Formula 1 season is heading towards a blockbuster finish as the championship reaches its final stop at the Yas Marina Circuit. With three drivers still in mathematical contention—Lando Norris, Max Verstappen and Oscar Piastri—the Abu Dhabi Grand Prix promises a title fight of rare intensity. A season packed with turning points, strategic gambles and breakthrough performances now narrows to 58 decisive laps under the floodlights.For McLaren, this is the closest they've come to the title in over a decade. Norris has built his campaign on remarkable consistency, while Piastri has evolved into a formidable challenger, matching his teammate punch for punch. Verstappen, however, remains the most seasoned contender in title deciders. Despite an uneven year, his experience and race management make him a dangerous presence at the front.

Qualifying offered the perfect prelude to Sunday's drama. Verstappen exploded to pole with a blistering 1:22.207, pulling clear of both McLarens in the final runs of Q3. Oscar Piastri was sharp early in qualifying, and George Russell topped Q2, but Verstappen saved his best for last—capped by his radio reaction: "That was insane." It was his eighth pole of the season, setting up an electric three-way championship showdown.With margins razor-thin and stakes sky-high, Abu Dhabi prepares to host a finale that could redefine careers.When and where is the Abu Dhabi Grand Prix 2025?

The Abu Dhabi Grand Prix main race will be held on Sunday, December 7, with lights out at 6:30 p.m. IST at the Yas Marina Circuit.

Mohamed Salah lashes out at Liverpool: They have thrown me under the bus

Liverpool forward Mohamed Salah has hit out at his club in the biggest rant of the season. After extending his contract last year, Salah's future at Liverpool is up in flames after the latest provocative comments.

New Delhi. (Agency)

Mohamed Salah's future at Liverpool is in flames after the forward hit out at the club with some provocative words on December 6. Salah accused Liverpool of throwing him under the bus after the team's 3-3 draw at Elland Road on Saturday.Salah sat on the bench for the entirety of the game as the team failed to break free from the mid-table logjam in the Premier League. After the draw, the defending champions are placed in the eighth spot in the league table, 10 points adrift of leaders Arsenal.

An angry Salah slammed the club after the game because he sat on the bench for the third time in a row on Saturday. In an angry rant, Salah said that he was disappointed with the club's top management group and accused them of forcing him out of the team, where he has played for the last eight years."I'm very, very disappointed to be fair. I have done so much for this club, everybody can see that during the years and especially last season," Salah told reporters in the mixed zone."I don't know, it seems like the club is throwing me under the bus. That's how I felt it, how I feel it.""I think it is very clear that someone wants me to get all the blame. The club promised me in the summer, a lot of promises and nothing so far."The Egyptian signed a two-year contract extension in April after months of uncertainty. His eight year stay at the club has turned him into a modern icon in which he has won two Premier League titles and

scored 250 goals in all competitions for the club."I don't know what's going to happen now, so I'm just going to be in Anfield, say goodbye to the fans before going to Africa Cup of Nations because I don't know what's going to happen when I'm there."

Why Did Liverpool Not Play Salah?

Speaking after the draw, Liverpool manager Arne Slot explained why he had left Salah on the bench. Slot argued that with a 2-0 lead, he thought the team needed to protect their advantage instead of pushing for more goals against Leeds."We were 2-0 up, we were 3-2 up. At that moment in time it was more about controlling the game and we did not need a goal at that moment in time," he said.

"Normally when you need a goal, like last week against Sunderland, I brought Mo on. We needed different players like Wataru Endo when we needed to bring the win over the line. He, Endo, gave everything," he added.Someone Does Not Want Me at Liverpool: SalahOne of the greatest forwards of all time, Salah scored 34 goals and had 18 assists in 52 games across all competitions as Liverpool won the Premier League last season, but with his side floundering this season he has managed five goals and three assists in 19 games in the current campaign. The forward indicated that his relationship with Slot had broken down completely.

Palak Sindhwani's

Birthday Tribute To Her 'Shield & Soldier' Mumma

Palak Sindhwani, who won hearts as Sonu Bhide on Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, continues to stay in the spotlight even after leaving the show last year. Even after stepping away from the role, she has remained active and connected with her fans on social media. Recently, Palak shared a sweet tribute to her mother on her birthday. In her post, she praised her mother for her sacrifices, courage, constant support and the love she has given since childhood.Palak also thanked her mother for always standing by her with a smile and for raising her with courage and care. She also called her a shield and a soldier.

Palak Sindhwani's Sweet Birthday Note For Her Mother

Taking to Instagram Stories (Now Deleted), Palak Sindhwani wrote, "Happy Birthday, Mumma, my soldier, my shield, my inspiration, my source. Jo bhi aaj main hoon, woh aapke sacrifices ki wajah se hoon. Thank you ye decide karne ke liye ki main apne bachchon ko bahar nikaalungi. (Whatever I am today, it's because of your sacrifices. Thank you for deciding that you'll raise your children in the outside world)."

"Thank you kabhi himmat na harne ke liye. Thank you, hamesha mere saath ek pyaari si smile lekar khade rehne ke liye aur thank you bachpan se mujhe itna saara pyaar dene ke liye. I love you, Mumma. (Thank you for never losing courage. Thank you for always standing with me with a sweet smile and thank you for giving me so much love since childhood)," the young actress added.

Mother's Day Celebration

A few years ago, during a Mother's Day celebration, Palak Sindhwani made a video with her mother where she asked her to talk about her childhood memories and habits. Her mother shared many sweet stories, giving fans a small look into what Palak was like while growing up.When the actress asked about her habit, her mother replied, "Her best habit is that she is never lazy. Even on holidays, when she has no fixed plans, she still keeps herself busy. In the evenings, she likes to make some videos for YouTube or find something creative to do. Waking up late or being lazy has never been her habit."Revealing Palak Sindhwani's childhood memory, she recalled, "When she was in school, there used to be a bhel puri seller standing outside our house. She used to order bhel puri from him while coming home. In our small hometown, there was no home delivery at that time, but he still made it for her and brought it to our house. By the time she changed her school uniform, her bhel puri would arrive."

Rakul Preet Singh

Acknowledges Paparazzi's Efforts At Airport With A 'Thank You'

Rakul Preet Singh was surprised to see multiple cameras flashing at her when she appeared at the Mumbai Airport to take an early morning flight. The actress melted hearts with her usual charm when she thanked the paparazzi for their hard work.On her way to the entrance, Rakul gave a candid reaction after seeing multiple paparazzi waiting for her. "Oh my god panch panch!!" Rakul exclaimed, asking, "Aap log kitne baje aate ho airport?" After hearing about their early morning work schedule, Rakul acknowledged their hard work with a sweet "Thank you."

Rakul Preet Singh's Breezy Airport Look

The actress looked stylish in a monochrome blue outfit. She was seen donning a sleeveless long breezy kurta with white lining along the borders. The front-buttoned kurta also cinched at the waist with a band, further elevating the look.She paired the flowy kurta with matching blue pants and finished off her look with clean white sneakers. She accessorised the look with dainty jewellery and a stylish pair of sunglasses.

Rakul Preet Singh's Island Vacation with Husband

Rakul Preet Singh's airport spotting came after her dreamy island vacation with husband Jacky Bhagnani. The duo was recently spotted taking time off to spend some quality time in the Maldives. From sun-kissed beach snaps to Rakul's gorgeous vacation looks, the actress was literally "in the middle of pure joy".The couple was not vacationing alone, as they were joined by their close friends, Smriti Khanna and Gautam Gupta, along with their two adorable daughters. Besides, Rakul's long-time best friend Pragya Jaiswal was spotted in the photos too.

Rakul Preet Singh on the Work Front

The actress was recently seen in De De Pyaar De 2. Directed by Anshul Sharma, the romantic comedy witnesses Rakul reprising her role of Ayesha from the original film.

The star cast of the film also includes Ajay Devgn, R. Madhavan, Jaaved Jaaferi, Ishita Dutta, Gautami Kapoor and others.Up next, Rakul will be seen in the Tamil action film Indian 3.

Kusha Kapila's Ex-Husband Zorawar Ahluwalia Admits He Is On A Dating App: 'I Am A Single Guy'

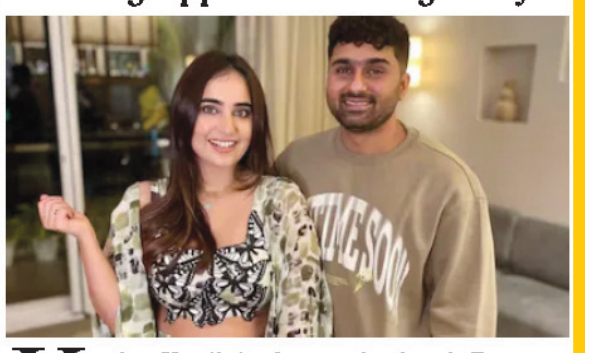

Kusha Kapila's former husband Zorawar Ahluwalia has admitted that he is on a dating app. Ahluwalia was recently speaking on the YouTube channel Social Misfits and Zor & More when he opened up about their divorce and revealed that he is single now. He also explained why most marriages do not last long in today's times. Here are some of the excerpts from the interview:

Zorawar: 'I Am On A Dating App'

During the interaction, Zorawar admitted being on dating apps after his divorce from Kusha and said, "Yes, I am a single guy, why can't I be on dating apps."

When asked why marriages aren't working in today's time, he explained that it might be because people are realising that they are better if they 'run solo'. "We can't generalise why marriages are not working. But people are realising that sometimes they can work in a team and sometimes they can't and are better off alone. I can't give you a straight answer. Sometimes you realise that you progress more when you run solo," he added.

Zorawar On His Divorce From Kusha Kapila

During the interaction, Zorawar also shed light on his divorce from Kusha Kapila and reiterated that it was mutual. "I think both the partners will get the feeling when it is not working. In my case, we both sat down and discussed that these things are not working, and we kind of came up to that point and mutually agreed to part ways. You have to realise it and be authentic with your partner and yourself. It's better if you stay clear with each other," he said.

About Kusha And Zorawar's Divorce

Kusha Kapila and Zorawar Ahluwalia, who tied the knot in 2017, parted ways in 2023. Back then, the two issued a joint statement and revealed that "we gave it our all, until we couldn't anymore." The former couple had also mentioned that a 'relationship ending is heartbreaking' and therefore they need time for healing.Later, Kusha was rumoured to be dating Bollywood actor Arjun Kapoor. However, the actress had dismissed it saying, "Roz apne baare mein itni bakwas padh kar mujhe apna khud see ek format introduction karwana padega. Every time I read sh*it about myself I just hope and pray ki meri mummy na padh le yeh aab. unki social life has taken a big hit."

Dipika Kakar Roots For Farrhana Bhatt's Win Ahead Of Bigg Boss 19 Finale, Calls Her 'Most Deserving'

The grand finale of Salman Khan-hosted reality show Bigg Boss 19 is just one day away, and there is a lot of excitement to find out who will lift the coveted trophy this year! Ahead of the finale, many celebrities have been cheering for their favourite contestants and urging fans to vote for them. Recently, Anupamaa actress Rupali Ganguly praised Gaurav Khanna and rooted for his win. Now, one day before the grand finale, Bigg Boss 12 winner and actress Dipika Kakar has voiced her support for Farrhana Bhatt, calling her the 'most deserving' one to win.

Dipika Kakar Cheers For Farrhana Bhatt Ahead Of Bigg Boss 19 Finale

On Saturday, Dipika Kakar took to her Instagram stories to share a message cheering for Farrhana Bhatt. She praised her journey and applauded her 'strong' and 'zero filter' attitude over the last few months in the BB house. Re-sharing a video of Farrhana's journey, Dipika wrote, "What A Journey Farhana!! Strong! Fierce! 0 Filter! The most deserving one to win BB19." Check out her post below!

For the unversed, television actress Dipika Kakar was the winner of Bigg Boss 12, which aired from September 2018 to December 2018. While Dipika took the trophy home, Sreesanth became the first runner-up. Karanvir Bohra, Nehha Pendse, Anup Jalota, and Srishty Rode were among the other contestants during that season.

Farrhana's Bigg Boss 19 journey began on a turbulent note. In a surprising twist, she was voted out by her fellow contestants in the very first episode. Instead of being evicted, Farrhana was shifted to a secret room, where she discreetly observed the strategies, alliances, and behaviour of the other housemates. Her return, orchestrated with the assistance of Gaurav Khanna, changed the dynamics of the house. After her comeback, Farrhana found herself entangled in multiple altercations with several contestants on the show. Throughout the season, Farrhana attracted attention not only for her gameplay but also for her fiery temper and unfiltered remarks.

Bigg Boss 19 Finalists

Meanwhile, the top 5 contestants of Bigg Boss 19 include Gaurav Khanna, Farrhana, Tanya Mittal, Pranit More, and Amaal Mallik. Earlier, former contestants Baseer Ali, Shehbaz Badesha, and Zeeshan Quadri rooted for Amaal's win and urged fans to vote for him.